वैशाख शुक्ल पक्ष-12, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 333 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
19 मई 2024 रविवार

आज का मौसम
40 अधिकतम
27 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

कुल 185 लोग थे सवार,आधी रात मचा हडकंप

आसमान में उड़ते हवाईजहाज में लगी आग, बड़ा हादसा टला

बेंगलुरु , एजेंसी।

कर्नाटक में बीती देर रात एक बड़ी घटना होने से बच गई। यहां बेंगलुरु से कोच्चि जा रहे एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान में आग लग गई। यह आग फ्लाइट के एक इंजन में लगी। कुछ ही देर में आग भड़कने लगी। यात्रियों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में फ्लाइट की इमरजेंसी लैडिंग की गई। बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड ने बताया कि सभी यात्री और प्लेन के चालक दल सुरक्षित हैं। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने बयान जारी करके कहा कि सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को विमान से सुरक्षित निकाल लिया गया, कोई भी घायल नहीं हुआ। खबरों के अनुसार, विमान के उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद ही एक इंजन में आग लगने का पता चला। चालक दल के सदस्यों ने हवाई यातायात नियंत्रक को इसकी सूचना दी। इसके बाद विमान को यहां केंपेगौडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया और आग पर काबू पाया गया।

बीआईएएल के प्रवक्ता ने बताया कि पूर्ण पैमाने पर आपात स्थिति की घोषणा की गई और आग पर तत्काल काबू पाया गया। सभी 179 यात्रियों और चालक दल के छह सदस्यों को विमान से सुरक्षित निकाल लिया गया। एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने कहा, 'आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए नियामकों के साथ गहन जांच की जाएगी।' एक यात्री और पुणे निवासी पियानो थॉमस ने कहा, हम लोगों ने प्लेन में आग लगते देखी। हम सब दहशत में आ गए।

झारखंड, बंगाल दौरे पर पीएम मोदी, अमेठी,रायबरेली समेत हाईप्रोफाइल सीटों पर कल वोट

49 सीटों का फैसला करीब,दिल्ली में जबर्दस्त सियासी ड्रामा केजरी का कूच

नई दिल्ली , एजेंसी।

पांचवे चरण में कल उप्र,महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों की 49 सीटों पर मतदान है, छठवे चरण के 25 मई के मतदान से पहले पीएम मोदी झारखंड व बंगाल में सक्रिय हैं तो राहुल गांधी भी सभाएं कर रहे हैं। इस बीच राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल से कथित मारपीट मामले को लेकर राजधानी दिल्ली में जबरदस्त सियासत का दौर चल रहा है। आज सीएम अरविंद केजरीवाल अपने दल के नेताओं समेत भाजपा मुख्यालय की तरफ बढ़ रहे हैं। उनके साथ आप के सांसद, विधायक, मंत्री और अन्य नेता-कार्यकर्ता भी मौजूद हैं। केजरीवाल ने कहा, 'उन्होंने आम आदमी पार्टी को खत्म करने के लिए तीन प्लान बनाए हैं-इसके तहत हमारे नेताओं को गिरफ्तार करेंगे,फिर चुनाव के बाद वे हमारे खाते फ्रीज कर देंगे तथा हमारी पार्टी का दफ्तर खाली करेंगे।

वहीं उनके निजी सचिव व मारपीट के आरोपी विभव कुमार को देर रात कोर्ट ने 5 दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया है। इस बीच केजरीवाल के सड़क पर उतरने के फैसले को लेकर स्वाति मालीवाल ने उन पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधा है। स्वाति ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा- 'किसी दौर में हम सब निर्भया को इंसाफ़ दिलाने के लिए सड़क पर निकलते थे, आज 12 साल बाद सड़क पर निकले हैं, ऐसे आरोपी को बचाने के लिए जिसने सीसीटीवी फुटेज ग़ायब किए और फोन फार्मेट किया। काश इतना ज़ोर मनीष सिसोदिया के लिए लगाया होता, वो यहाँ होते तो शायद मेरे साथ इतना बुरा नहीं होता ! यह भी खबर है कि आम आदमी पार्टी ने इस विरोध प्रदर्शन के लिये कोई परमिशन नहीं ली है। चूंकि आचार संहिता प्रभावी है और भाजपा दफ्तर के आसपास 144 धारा लगी रहती है, लिहाजा कड़े सुरक्षा प्रबंध हैं।

अधीरंजन नहीं करेंगे निर्णय: खरगे की खरी खरी

वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम लिए बिना कांग्रेस नेता अधीरंजन चौधरी का उन पर तीखा जुबानी हमला कांग्रेस को नागवार गुजरा है। रंजन ने कहा था कि वह किसी ऐसे व्यक्ति के पक्ष में नहीं बोल सकते जो राज्य में उन्हें और उनकी पार्टी को राजनीतिक रूप से खत्म करना चाहता है। दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि लोकसभा चुनावों के बाद इंडिया ब्लॉक के सत्ता में आने की स्थिति में ममता बनर्जी गठबंधन का हिस्सा होंगी या नहीं, इस पर निर्णय लेने वाले अधीररंजन चौधरी कोई नहीं हैं। जो सहमत नहीं होंगे वह बाहर जाएंगे। दरअसल अधीररंजन बंगाल की बहरामपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार हैं।

सीएम यादव फिर उप्र व दिल्ली में सक्रिय

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज उत्तर प्रदेश एवं नई दिल्ली के चुनावी दौरे पर हैं। पूर्व सीएम शिवराज सिंह भी आज दिल्ली में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री दोपहर सबसे पहले उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पहुंचे हैं। फिर वे बलिया जिले के बैरिया में जनसभा करेंगे। यादव शाम को नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के सरोजनी नगर में तथा कालकाजी जनसभा को संबोधित करेंगे।

भडाना कांग्रेस में लौटे, चुनाव प्रचार पर निकले

लोकसभा चुनाव के बीच पूर्व सांसद और हरियाणा के मंत्री रह चुके अवतार सिंह भड़ाना ने कांग्रेस में वापसी कर ली है। हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी दीपक बाबरिया ने उन्हें पार्टी में शामिल कराया है। भड़ाना को हरियाणा की फरीदाबाद और गुरुग्राम सीट पर चुनाव प्रचार का जिम्मा दिया गया है फरीदाबाद सीट से कांग्रेस उम्मीदवार महेंद्र प्रताप सिंह और गुरुग्राम से उम्मीदवार राज बब्बर कांग्रेस के उम्मीदवार हैं।

आज मानसून अंडमान पहुंचने के आसार, 5 दिन गर्मी से राहत नहीं

नई दिल्ली । उत्तर पश्चिम भारत में प्रचंड गर्मी का दौर जारी है। दिल्ली के नजफगढ़ में भले ही शुक्रवार को सबसे अधिक 47.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया हो, लेकिन ऐसी ही तपिश आज भी जारी है। मौसम विभाग ने प्रचंड गर्मी और लू से भरे दिनों को लेकर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अभी और पांच दिन राहत की उम्मीद नहीं है। खासकर, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान व यूपी पर गर्मी की ज्यादा सताएगी। हालांकि आज मानसून के दक्षिण अंडमान पहुंचने का भी अनुमान लगाया गया है। मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि अभी पांच दिन उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में भीषण गर्मी रहेगी। पूर्व और मध्य क्षेत्र में तीन दिनों तक ऐसी स्थिति बनी रहेगी। दिल्ली, हरियामा, पंजाब और पश्चिम राजस्थान में लू को लेकर रेड अलर्ट जारी किया। पूर्वी राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही नवजात बच्चों, बुजुर्गों और पुराने रोग के मरीजों पर विशेष नजर रखने की सलाह दी है। यूपी, बिहार व पश्चिम राजस्थान में दो-तीन दिनों तक रात में अत्यधिक गर्मी की चेतावनी दी गई है।

ट्रेन पर गिरा बिजली का खंबा मासूम समेत तीन घायल

रायपुर। राजधानी के समीप बड़ा हादसा हो गया। यहां कलकत्ता से रायपुर आ रही शालीमार एक्सप्रेस की S-6 कोच समेत 2 से 3 डिब्बों पर बिजली का खंभा गिर गया। बोगी पर बिजली का खंभा गिरने से ट्रेन में सवार यात्रियों को चोटें आई है। इस हादसे में ट्रेन में सवार एक मासूम समेत तीन यात्रियों को अस्पताल पहुंचाया गया है। जीआरपी, आरपीएफ समेत रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। रायपुर और उरकुरा स्टेशन के बीच हादसा हुआ है।

प्रोडक्ट की क्वालिटी जानना मौलिक अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने बढ़ाया राइट टू हेल्थ का दायरा

नई दिल्ली , एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राइट टु हेल्थ में कंज्यूमर को प्रोडक्ट की क्वालिटी के बारे में भी जानने का हक है। इस तरह कोर्ट ने राइट टु हेल्थ का दायरा बढ़ा दिया है। कोर्ट ने कहा, प्रोडक्ट की क्वालिटी के बारे में जानकारी देना ना सिर्फ निर्माता, सेवा प्रदाता की जिम्मेदारी है, बल्कि प्रोडक्ट का प्रचार प्रसार करने वाले माध्यम, सेलिब्रिटी और इन्फ्लूएंसर की भी जिम्मेदारी बनती है। एडवरटाइजर और एडवरटाइजिंग एजेंसी और उस प्रॉडक्ट को प्रमोट करने वाले जिम्मेदारी से काम करें। उन्हें भी गाइडलाइन के तहत जिम्मेदारी लेनी होगी, ताकि कंज्यूमर का जो भरोसा है वह न तोड़ा जाए। उनका शोषण ना हो।

विज्ञापन कंपनी को भी दिए निर्देश: सुप्रीम कोर्ट ने कहा, गुमराह करने वाले विज्ञापन के मामले में कोई ठोस मेकेनिजम नहीं है, जहां कंस्यूमर अपनी शिकायत दर्ज करा सकें। कोर्ट ने राइट टु हेल्थ के दायरे में कंज्यूमर के अधिकार को प्रोटेक्ट करने के लिए निर्देश दिया कि विज्ञापन को जारी करने से पहले एडवरटाइजर और एडवरटाइजिंग एजेंसी केबल टेलीविजन नेटवर्क रूल्स का पालन करें। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस हिमा कोहली की अगुवाई वाली बेंच ने पतंजलि केस में दिए गए ऑर्डर में कंज्यूमर राइट्स के बारे में व्यवस्था दी है।

जूता व्यापारियों से अब तक 40 करोड़ बरामद

आगरा। आयकर विभाग की तीन जूता व्यापारियों के ठिकानों पर छापेमारी के बाद यहां से बरामद नोट गिनते गिनते कर्मचारी थक चुके हैं। इसमें बेहिसाब संपत्ति मिली है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि अभी तक 40 करोड़ की नकदी मिली है, बाकी कैश को गिना जा रहा है। इसके लिये नोट गिनने की मशीने बुलानी पड़ी हैं। आयकर विभाग ने नोटों को गिनने के लिए बैंक के अफसरों और कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी है।

मेट्रो एंकर | मैच के बाद धोनी को भावुक देखकर कई कयास

आईपीएल में सबसे बड़े छक्के से धोनी की विदाई !

बेंगलुरू , एजेंसी।

महेंद्र सिंह धोनी की चेन्नई टीम बीती रात आईपीएल 2024 से तो बाहर हो गई है लेकिन आधी रात को जिस तरह मैच समाप्त होने के बाद धोनी भावुक नजर आए,उससे लग रहा है कि यह धोनी का आखिरी आईपीएल मैच रहा है। उनके आईपीएल से भी सन्यास लेने की संभावना काफी समय से जताई जाने लगी है और दो दिन पहले ही विराट कोहली ने एक बड़ा हिंट देकर सस्पेंस और गहरा कर दिया है। बीती रात को बेंगलुरु में खेले गए रोमांचक मुकाबले में विराट कोहली की आरसीबी ने चेन्नई को 27 रन से मात दे दी। टॉप-4 में जगह बनाने के लिए आरसीबी को 18 रन से जीत की जरूरत थी। मगर इस मैच के बाद भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज अलग-अलग मूड में दिखे। आउट होने के बाद जहां धोनी खुद से नाराज दिखे, वहीं जीत के बाद भावुक भी नजर आए। इसी तरह अपनी टीम की अविश्वसनीय जीत के बाद विराट कोहली भी भावुक हो गए थे। अब धोनी के रिटायरमेंट पर उत्सुकता है। सवाल है कि क्या अंतिम बार पीली जर्सी में मैदान पर उतरे थे धोनी- धोनी की कप्तानी में चेन्नई पांच बार चैंपियन बनी। इस बार भले ही उन्होंने कप्तानी नहीं की, परंतु विटेज अवतार में गेंद को बाउंड्री के पार पहुंचाते दिखे। कल रात अंतिम ओवर की पहली गेंद पर 110 मीटर यानि करीब 361 फीट का छक्का (यह इस साल आईपीएल का सबसे बड़ा छक्का रहा) जड़ने वाले माही का क्या यह आईपीएल में अंतिम शाट था? इसके पहले भी उन्होंने टेस्ट टीम से फिर वन डे क्रिकेट से अक्सर चुपचाप व एकाएक संन्यास की घोषणा की हैं।

क्या विराट ने सच कहा था!

धोनी के संन्यास को लेकर विराट कोहली ने भी एक बड़ा हिंट दिया है।उन्होंने कहा था कि %धोनी को भारत में खेलते देखना बहुत बड़ी बात है। मैं और वह फिर से एक साथ खेलेंगे और शायद यह आखिरी बार होगा।% इसके बाद विराट ने कहा था कि फैंस के लिए धोनी को स्टेडियम में देखना एक बड़ी चीज है। हम दोनों के बीच काफी अच्छी यादें बनी हुई है और हमारे बीच भारत में एक अच्छी पार्टनरशिप भी बनी है। ये एक अच्छा अवसर है फैंस के लिए कि जो हमें एक बार फिर साथ में देख सकेंगे।

अफसरों ने धर्मेंद्र के घर पहुंचकर किशोर सम्मान से अलंकृत किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

संस्कृति विभाग ने अपना प्रतिष्ठित राष्ट्रीय किशोर सम्मान अभिनेता धर्मेन्द्र देओल को प्रदान किया। संस्कृति संचालक एनपी नामदेव ने मुंबई में धर्मेन्द्र के निवास पर पहुंचकर यह सम्मान उन्हें दिया। धर्मेंद्र को अभिनय के क्षेत्र में सतत सक्रियता, उत्कृष्ट सृजन तथा श्रेष्ठ प्रतिमानों के लिए प्रदान किया गया है। वहीं, धर्मेन्द्र देओल ने कहा कि मैं कृतज्ञ हूं संस्कृति विभाग के प्रति, कि किशोर कुमार जैसे महान व्यक्तित्व के नाम से स्थापित यह राष्ट्रीय सम्मान मुझे प्रदान किया। उन्होंने कहा कि मुझसे पहले जिन महान कलाकारों को यह सम्मान दिया जा चुका है उनमें कुछ मेरे गुरु के समान है, कुछ सम्मानीय हैं और कुछ मेरे साथी भी हैं, आज उनकी सूची में स्वयं का नाम देख प्रसन्नता का ठिकाना नहीं है।

राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान अब तक

हृषिकेश मुखर्जी (1997-98), नसीरुद्दीन शाह (1998-99), गुलजार (1999-00), कैफ़ी आजमी (2000-01), बीआर. चोपड़ा (2001-02), अमिताभ बच्चन (2002-03) गोविन्द निहलानी (2003-04), जावेद अख्तर (2004-05), श्याम बेनेगल (2005-06), शत्रुघ्न सिन्हा (2006-07), मनोज कुमार (2007-08), गुलशन बावरा (2008-09), यश चोपड़ा (2009-10), देव आनन्द (2010-11), सलीम खान (2011-12), समीर (2012-13), सई परांजपे (2013-14), दिलीप कुमार (2014-15), रूमी जाफरी (2015-16), योगेश (2016-17), प्रियदर्शन (2017-18), वहीदा रहमान (2018), अशोक मिश्रा (2019), अमिताभ भट्टाचार्य (2020), विवेक रंजन अग्निहोत्री (2021), धर्मेन्द्र देओल (2022)।

जिला उपभोक्ता आयोग का फैसला

स्कूल ने कॉशन मनी नहीं लौटाई, अब देनी होगी इस राशि सहित 20 हजार रुपए क्षतिपूर्ति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अभिभावक द्वारा स्कूल से बच्चे की टीसी लेने के बाद भी काशनमनी नहीं लौटाना स्कूल प्रबंधन पर भारी पड़ गया। अब जिला उपभोक्ता आयोग ने स्कूल को दो माह के अंदर नौ प्रतिशत ब्याज के साथ काशन मनी 5 हजार रुपये और 15 हजार क्षतिपूर्ति राशि देने के आदेश दिए। यह फैसला जिला उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष गिरीबाला सिंह व सदस्य अरुण प्रताप सिंह की बेंच ने सुनाया है। आयोग ने मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि निजी स्कूल ने मनमानी की है। आयोग ने स्कूल के इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि अभिभावक ने पूरी फीस जमा नहीं की, इस संबंध में कोई दस्तावेज भी जमा नहीं किए गए। साथ ही स्कूल ने खुद ही काशन मनी रिफंडेबल होने की बात कही थी। जब विद्यार्थी को टीसी प्रदान की गई है तो स्कूल की ओर से नो ड्यूज का प्रमाण पत्र जारी किया गया होगा। अगर फीस बकाया होता तो फिर टीसी कैसे दी जा सकती है। निजी स्कूल ने लापरवाही की है। इस कारण अभिभावक को काशनमनी सहित मानसिक क्षतिपूर्ति राशि देनी होगी।

यह है पूरा मामला

दरअसल, जाटखेड़ी निवासी ज्योति चैबितकर ने एनआरआई ग्लोबल डिस्कवरी स्कूल के संचालक व प्रधानाचार्य के खिलाफ जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर किया था। शिकायत में बताया गया है कि उन्होंने अपने बेटे का एनआरआइ ग्लोबल डिस्कवरी स्कूल में 2018-19 में केजी-2 में प्रवेश कराया था। उस दौरान प्रवेश शुल्क 22 हजार रुपये जमा की थी, जिसमें दो हजार फार्म फीस, 15 हजार रुपए एडमिशन फीस एवं पांच हजार रुपये काशन मनी शामिल थी। स्कूल द्वारा आश्वासन दिया गया था कि अगर बच्चे की टीसी वापस लेंगे तो काशन मनी वापस कर दी जाएगी। जब अभिभावक ने 28 फरवरी 2019 में बेटे की टीसी ली तो उसे काशन मनी नहीं प्रदान की गई। स्कूल संचालक ने एक माह बाद काशन मनी देने की बात की, लेकिन नहीं मिली।

स्कूल प्रबंधन ने यह बताया काशन मनी नहीं लौटाने का कारण

मामले में सुनवाई के दौरान निजी स्कूल संचालक की ओर से यह तर्क रखा गया कि अभिभावक द्वारा जमा की गई फीस का आकलन करने पर यह ध्यान आया है कि 14,400 रुपये अभिभावक की ओर से सत्र 2018-19 की अवधि के लिए देना था एवं शिक्षण शुल्क अदा नहीं करने की अवस्था में बैलेंस फीस अदा करने के लिए कहा गया था, लेकिन अभिभावक ने जमा नहीं किए। इस कारण काशन मनी नहीं लौटाई गई ।

तीन सौ से ज्यादा हज यात्रियों को लेकर रवाना होंगी उड़ानें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आगामी 21 और 22 मई को हज यात्रा के लिये जेद्दा की सीधी फ्लाइट रवाना होगी। पहले दिन हज यात्रा पर 183 और दूसरे दिन 202 यात्री जाएंगे। भोज विमानतल पर सुबह साढ़े पांच बजे से यह उड़ानें रवाना होंगी। हज कमेटी के अध्यक्ष रफत वारसी ने बताया कि हज यात्रा को लेकर तैयारी पूरी हो गई है। इंदौर से एक फ्लाइट जा चुकी है। 21 और 22 मई को भोपाल से फ्लाइट उड़ेंगी। प्रदेश के करीब सात हजार हज यात्रियों की रवानगी 21 मई से मुंबई विमानतल से होगी। यह सिलसिला 9 जून तक जारी रहेगा।

इधर भोपाल संभागायुक्त पवन कुमार शर्मा ने निगमायुक्त हरेंद्र नारायन को निर्देश दिए हैं कि हज हाउस में यात्रियों एवं उनके साथ आने वाले स्वजनों के लिए बैठक व्यवस्था, कूलर, मोबाइल टायलेट, पार्किंग, पेयजल की व्यवस्था एवं हज हाउस तक एप्रोच रोड बनाई जाए। वहीं, बिजली व्यवस्था भी 24 घंटे के उपलब्ध रहे। विमानतल पर 24 घंटे डाक्टर, पैरामेडिकल टीम के साथ आकस्मिक सेवा में हमीदिया अस्पताल में भी बेड सुरक्षित करने एवं डाक्टरों की विशेष टीम लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही हज हाउस में गर्मी को देखते हुए ओआरएस के पैकेट बांटने को भी कहा गया है।

न्यूनतम वेतन ,कामगार प्रशिक्षण पर संगोष्ठी

भोपाल। एचआरडी फोरम मध्यप्रदेश की मासिक संगोष्ठी मंडीदीप स्थित टेफे मोटर्स एंड ट्रेक्टर परिसर पर आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता अजय सिन्हा वाइस प्रेसिडेंट टेफे मोटर्स ने की इसमें 50 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लियाफोरम के अध्यक्ष राजेश तिवारी ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं के शिक्षको को औद्योगिक, वाणिज्य एवम् तकनींकी प्रशिक्षण देने पर जोर दिया उन्होंने यह भी कहा की उधोगो में छात्रों को अधिकतम रोजगार मिले इस पर चर्चा करे।

राष्ट्रीय सिंधी मंच का आजीवन सदस्यता अभियान शुरू, 101 ने ली सदस्यता

सिंधी समाज को एक धागे में पिरोने की कोशिश सराहनीय: मुकेशजी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय सिंधी मंच द्वारा आयोजित आजीवन सदस्यता अभियान मैं 101 लोगों ने आजीवन सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम की शुरुआत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिंधी समाज के आध्यात्मिक गुरु कथा वाचक मुकेश जी महाराज ने रिबन काटकर और भगवान झूलेलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण व ज्योत जलाकर की। इस अवसर पर विशेष अतिथियों को शॉल और माला पहनाकर किया गया।

सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश इसरानी पूज्य सिंधि पंचायत के अध्यक्ष साबूमल रीझवानी, राष्ट्रीय सिंधी मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशन लाल उत्तबानी, प्रदेश अध्यक्ष राजू रामानी, जिलाध्यक्ष हीरो इसरानी, रेलवे सलाहकार समिति के नितेश लाल, भाजपा नेता प्रवीण प्रेमचंदानी व महेश खटवानी मंच पर मौजूद रहे।

मंच के जिला अध्यक्ष हीरो हिंदू के आवाहन पर सिंधी समाज के 51 लोगों ने राष्ट्रीय सिंधी मंच की आजीवन सदस्यता ग्रहण की आजीवन सदस्यता अभियान का मूल उद्देश्य सिंधी समाज को एक ही कड़ी में जोड़ने का है जिसमें विभिन्न सेवाओं से जुड़े सभी लोग इस संगठन के माध्यम से अपनी अपनी सेवा प्रदान करके समाज को मजबूती प्रदान करें। मुकेशजी महाराज ने कहा कि समाज को एक ही धागे में माला की तरह पिरोने का काम राष्ट्रीय सिंधि मंच द्वारा किया जा रहा है जो की बहुत सराहनीय है। उन्होंने सिंधी समाज से अपील की कि वे समाज की एकता में अपनी सदस्यता लेकर समाज से जुड़े रहें। इस अवसर पर 11 भाग्यशाली लोगों के कूपन भी निकल गए जिनको पुरस्कार वितरण किया गया इस अवसर पर सदस्यता अभियान में प्रभु दास मूलचंदानी रामचंद्र सबनानी नानक ददलानी हरिदास रामचंदानी प्रवीण होतवानी अशोक कुमार तनवानी राजकुमार दादवानी ललित सबनानी रवि लालवानी माधव घनश्यानी ओम आसनानी शमी गंगवानी प्रकाश विधानी सहित संत सरदार रामनगर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों ने जाना संग्रहालयों का महत्व, दुर्लभ जीवाश्म, खनिज नमूने भी देखे

भोपाल। शिक्षा, अनुसंधान के विकास और समाज की प्रगति में संग्रहालयों की भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से राजधानी स्थित आंचलिक विज्ञान केंद्र, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, राज्य इकाई, मप्र के सहयोग से अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, एमपी के भू-पर्यटन स्थल विषय पर केंद्रित एक अस्थायी प्रदर्शनी को दर्शकों के लिए लगाई गई। इसका शुभारंभ जीएसआई उप महानिदेशक शुभ्रा सूची सरकार द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का लाभ स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थियों सहित कुल 600 से अधिक आम दर्शकों ने उठाया। इस प्रदर्शनी में भेड़ाघाट-लम्हेटाघाट, भीमबेटका रॉक शेल्टर, चंबल के बीहड़1, ढाला उल्कापिंड प्रभाव क्रेटर, घुघुआ राष्ट्रीय जीवाश्म पार्क और मझगवां हीरा खदान आदि एमपी के भूवैज्ञानिक महत्व के कुछ अनोखे स्थलों की झलक दिखाई गई। इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में एमपी में पाए जाने वाले दुर्लभ खनिज नमूने, रॉक नमूने और जीवाश्म भी प्रदर्शित किए गए।

भाभा विवि मे कार्यशाला

भोपाल।भाभा विश्वविद्यालय मे प्रोडक्ट डेवलवमेंट के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कि हर्बल फेस पैक का निर्माण फार्मेसी के छात्रों द्वारा किया गया ड्ड लगभग 50 छात्रों ने कार्यशाला में भाग लिया और सफल व्यवसायी बनने के लिए जरूरी स्किल को समझा। कार्यशाला के समापन अवसर पर सभी छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन डॉ. मनोज कुमार साहू के द्वारा किया गया । मार्गदर्शन डीन फार्मेसी डॉ. सत्कार प्रसाद के द्वारा दिया गया।

मेट्रो एंकर | **आरोग्य केन्द्र के शिविर में अनुभव सत्र**

'गलत खान-पान होता है बीमारी की वजह'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र में चल रहे शिविर के समापन से पहले शनिवार को अनुभव सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें दस दिनों तक दिनचर्या एवं खान पान में अनुशासन का पालन कर अपनी शारीरिक दिक्कतों से राहत पाने वालों ने अपने अनुभव रखे।

सत्र में सिद्धभाऊ ने कहा कि व्यक्ति बीमार इसलिए होता हैं क्योंकि गलत व अधिक आहार का सेवन करता हैं यदि आपको स्वस्थ रहना है तो सात्विक, अपक्व और कम आहार का सेवन करना चाहिए। आहार ऐसा हो जो स्वादिष्ट हो, पौष्टिक हो और सुपाच्य हो। होम्योपैथी का मूल सिद्वांत हैं कि सबसे पहले बीमारी हमारे मन में पैदा होती है, बाद में शरीर पर प्रकट होती हैं, अगर हमारा मन स्वस्थ है तो बीमारी हमेशा दूर रहेगी। हमारे मन को शांत व आनंद में रखना चाहिए। हम अपने विचारों को निर्मल कर स्वयं को स्वस्थ रख सकते हैं।

सत्र की शुरूआत डॉ. गुलाब राय टेवानी की शिविर की चर्चा से हुई। टेवानी ने बताया यह 119 वां शिविर है। इसमें अलग-अलग स्थानों से साधक शामिल हुए हैं। शिविरार्थियों ने अपने अनुभव रखते हुए कहा, जो दिक्कतें लेकर आए थे उससे काफी राहत मिली हैं। जो सीखा है, उसे जीवन का हिस्सा बनाकर दवाओं से दूर रहेंगे। शिविर डायबिटीज, हायपोथायरायडिज्म, कब्ज, ऑस्टियोआर्थराइट्स, हाइपरटेंशन, मोटापा, पॉजीटिव प्रमोशन इन हेल्थ, गैस्ट्राइटिस, इनसोमनिया, माइग्रेन, हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया, अस्थमा, लम्बर स्पॉन्डिलाइटिस, साइटिका, फ्रोजन शोल्डर व अन्य दिक्कतों का प्राकृतिक उपचार किया गया। शिविर में प्रातः जागरण एवं नित्यकर्म, नियमित योगाभ्यास, यौगिक क्रियाएँ, प्रातः कालीन व सायंकालीन व्याख्यान सत्र एवं शंका समाधान, प्राकृतिक चिकित्सा, प्राकृतिक आहार, ध्यानात्मक क्रियाएँ एवं आनंद मेला हुआ। सत्र का समापन डॉ लता टेवानी के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। अगला शिविर 21 से 30 मई तक आयोजित किया जाएगा।

दूसरे राज्यों में कांग्रेस को घेर रहे सीएम, भाजपा को घर में घेरने की कोशिश में कांग्रेस

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री मोहन यादव अपने चुनावी दौरे के तहत आज फिर उप्र के गाजीपुर में हैं। वे लगातार राष्ट्रवाद व सनातन को लेकर कांग्रेस पर हमलावर हैं। इधर मप्र में कांग्रेस उन पर लगातार आपत्तिजनक शब्द के इस्तेमाल का आरोप लगा रही है। कांग्रेस ने अब दलित महिला के भाजपा में अपमान का भी आरोप लगाया है। वहीं कांग्रेस के सभी 28 लोकसभा चुनाव के उम्मीदवारों की बैठक भी कल बुलाई गई है। मुख्यमंत्री यादव ने बीती शाम उन्होंने मुंबई दक्षिण लोकसभा क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी यामिनी यशवंत जाधव के समर्थन में लालबाग, मेघवाड़ी में आयोजित जनसभा को संबोधित किया व कहा कि पहले मुगलों ने, फिर अंग्रेजों ने और अब कांग्रेस भारत के स्वाभिमान को लज्जित करने का काम कर रही है। कांग्रेस और उसके घमंडिया गठबंधन के लोग इस काम को करने में तेजी दिखा रहे हैं। इनके कारण देश का स्वाभिमान डरा-डरा सा था, लेकिन अब देश का स्वाभिमान और संविधान दोनों ही मजबूत एवं ईमानदार हाथों में है। यादव ने एनडीए प्रत्याशी राहुल रमेश शेवाले के समर्थन में शिवाजी पार्क दादर में आयोजित भव्य आशीर्वाद यात्रा में भी सहभागिता की।

सीएम ने मुंबई में ली सभा

'महिलाओं को प्रताड़ित कर रही भाजपा'

मप्र कांग्रेस के मीडिया प्रमुख मुकेश नायक ने आरोप लगाया है कि भाजपा में आपसी कलह इस कदर हावी हो चुकी है कि पार्टी में अब महिलाओं को भी प्रताड़ित किया जाना उन्हें आत्महत्या तक के लिए मजबूर किया जा रहा है। नायक के मुताबिक ऐसा ही एक मामला भाजपा की मंडल अध्यक्ष दलित महिला नारायणी बरेठा का सामने आया है, जिसमें उन्होंने स्वयं एक वीडियों जारी कर भाजपा के शिवाजी मण्डल के अध्यक्ष सहित भाजपा के अन्य लोगों द्वारा उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने तथा अपशब्दों का उपयोग कर दुर्व्यवहार करने का संगीन आरोप लगाया है। उक्त वीडियों में आत्महत्या करने जैसे कदम उठाने और सल्फास खाने की बात की गई है। नायक ने दलित महिला को प्रताड़ित किये जाने की घटना की निंदा करते हुये कहा है कि लगातार दलितों-आदिवासियों को प्रताड़ित करना भाजपा नेताओं की फितरत है।

कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवारों की बैठक कल होगी

कांग्रेस के महासचिव व मप्र प्रभारी जितेन्द्र सिंह कल भोपाल प्रवास पर रहेंगे। वे आज दोपहर सबसे पहले ग्वालियर पहुंचेंगे और शाम को यहां से रवाना होकर भोपाल आयेंगे। संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि जितेन्द्र सिंह सोमवार, 20 मई को सुबह 11 बजे पार्टी कार्यालय में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं लोकसभा चुनाव के कांग्रेस प्रत्याशियों की संयुक्त बैठक लेंगे। प्रस्थान करें शाम 6.05 बजे दिल्ली पहुंच जायेंगे।

आरोपों व डुबकी के बाद क्षिप्रा को अविरल बनाने की योजना

मतगणना के बाद सिरे चढ़ेगा प्लान, कल सीएम लेंगे बैठक

भोपाल दोपहर मेट्रो। चार साल बाद होने वाले सिंहस्थ 2028 के पहले उज्जैन की शिप्रा नदी को निर्मल और अविरल बनाने की योजना तैयार की गई है। हर 12 वर्ष में होने वाले इस महाकुंभ में प्रत्येक शाही स्नान केवल क्षिप्रा जल से होगा। दरअसल, लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार ने आरोप लगाया था कि शिप्रा का जल आचमन योग्य नहीं रह गया है। इसके बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शिप्रा में डुबकी भी लगाई और तैरकर बता दिया कि मोक्षदायिनी शिप्रा का जल स्वच्छ है। मगर अब मुख्यमंत्री इस तैयारी में हैं कि सिंहस्थ 2028 से पहले क्षिप्रा नदी के प्रवाह को अविरल और निर्मल बना दिया जाए। उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ 2016 में नर्मदा जल को शिप्रा में डालकर शाही स्नान के लिए शुद्ध जल की व्यवस्था की गई थी लेकिन कई साधु-संत इससे नाराज थे। इस मामले में कल मुख्यमंत्री बैठक लेने वाले हैं। बताया जाता है कि इस काम के लिये कान्ह नदी सहित शिप्रा की सहायक नदियां साफ की जाएंगी और इनका पानी शुद्ध किया जाएगा। जल संसाधन विभाग के साथ मिलकर नगरीय विकास एवं आवास विभाग इंदौर, उज्जैन, देवास और आलोट का एसटीपी (सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान) बनाएगा। एनएमसीजी (नेशनल मिशन फार क्लीन गंगा) और अमृत-1 और अमृत-2 के तहत नदियों को निर्मल बनाया जाएगा। इस कार्य के लिए एनएमसीजी का 500 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट इंदौर में स्वीकृत हुआ है। जून, 2027 तक नदियों को निर्मल बनाने का लक्ष्य रखा गया है।वहीं शिप्रा में पानी भरने का काम जल संसाधन विभाग करेगा।

संग्रहित किया जाएगा वर्षा जल

इस बार राज्य सरकार की तैयारी है कि सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं को स्नान शिप्रा के पवित्र जल से ही कराया जाए। लिहाजा इसके लिए उज्जैन से 25 किमी दूर सेवरखेड़ी में स्थित जलाशय की क्षमता बढ़ाकर उसमें वर्षा जल का संग्रहण किया जाएगा। बाद में इस जल को क्षिप्रा में छोड़ा जाएगा। सेवरखेड़ी के सिलारखेड़ी जलाशय में मानसून में 55 मिलियन क्यूबिक मीटर वर्षा का जल संग्रहित किया जा सकेगा। इस कार्य के लिए जलाशय की क्षमता भी बढ़ाई जाएगी। लोकसभा चुनाव की मतगणना के बाद इस परियोजना को सिरे चढाया जाएगा। दरअसल सिंहस्थ में चार शाही स्नान होते हैं और इसी को ध्यान में रखकर इस तरह का प्रयोग दिग्विजय सिंह की सरकार में भी किया गया था। जिसमें शिप्रा नदी पर चार स्टाप डैम बनाकर पानी का प्रवाह रोका गया था। स्नान से पहले शिप्रा में स्टाप डेम का शुद्ध जल प्रवाहित कर दिया जाता था।

31 मई तक होनी है खरीदी, दो बार सरकार ने बढाई है तारीख

गेहूं खरीदी में शहडोल संभाग सबसे पीछे, भोपाल और उज्जैन में अच्छी आवक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गेहूं खरीदी में शहडोल संभाग सबसे पीछे हैं। यहां 29 हजार मीट्रिक टन खरीदी हुई है तो वहीं भोपाल व उज्जैन संभाग सबसे अव्व्ल है। भोपाल मे अब तक 16 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है। भोपाल संभाग में भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर और विदिशा ने मिलकर यह खरीदी की है। फिर भी यह खरीदी पिछले वर्ष की खरीदी से कम है। इधर सरकार ने गेहूं की खरीदी बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। गेहूं खरीदी की तारीख दूसरी बार बढ़ाकर 31 मई कर दी है। किसानों का कहना है कि गेहूं की खरीदी वादे के मुताबिक नहीं हुई। भाजपा की प्रदेश में सरकार है और भाजपा ने वादा किया था कि प्रति क्विंटल 2700 रुपये भाव देंगे लेकिन खरीदी 2400 प्रति क्विंटल के हिसाब से की जा रही है, जो कि धोखा है। ओला-पाला के कारण गेहूं की गुणवत्ता खराब हुई। सरकार ने देरी से खरीदी गाइडलाइन में शिथिलता देने के निर्देश खरीदी केंद्रों को दिए। तब तक किसानों को परेशान होना पड़ा, गेहूं खराब बताकर लौटाया गया। जिन क्षेत्रों में ओला-पाला का असर कम था या नहीं था, वहां उपज अच्छी थी, दाने चमकीले और भरे हुए थे, इसलिए खुले बाजार में उक्त गेहूं को समर्थन मूल्य 2400 रुपये से अधिक दाम मिले। जिसके कारण किसान खरीदी केंद्रों तक नहीं गए। किसानों की माने तो खरीदी के बीच बारिश हुई, जिसके कारण खरीदी प्रभावित हुई। क्योंकि ज्यादातर केंद्रों के पास कवर्ड में खरीदी की व्यवस्था नहीं थी, नतीजा यह रहा कि गेहूं गीला हो गया। जिसे सुखाने के लिए केंद्रों ने अघोषित रूप से खरीदी बंद कर दी। इस बीच जिन किसानों के परिवार में विवाह आदि आयोजनों की तारीखें नजदीक आ रही थी उन्होंने औने-पौने दाम में गेहूं खुले बाजार में बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा।

संभागवार गेहूं खरीदी लाख मीट्रिक टन में

संभाग	–	खरीदी
भोपाल	–	16 लाख
उज्जैन	–	10 लाख
जबलपुर	–	6.66 लाख
रीवा	–	3.70 लाख
नर्मदापुरम	–	3.47 लाख
इंदौर	–	2.65 लाख
सागर	–	2.25 लाख
ग्वालियर	–	82 हजार
चंबल	–	76 हजार
शहडोल	–	29 हजार

5वीं और 8वीं के 24 लाख विद्यार्थियों की सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में होगा बदलाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिडिल और प्राइमरी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को पढ़ाने के तरीके में अब बदलाव किया जाएगा। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद सरकारी स्कूल में 18 जून से कक्षाएं शुरू होंगी। 16 को रविवार और 17 को ईद होने के कारण छुट्टी रहेगी। इससे पहले राज्य शिक्षा केंद्र (आरएसके) यह जानना चाहता है कि बच्चे सबसे ज्यादा कमजोर किसी विषय में हैं या सबसे ज्यादा गलती किसी तरह के प्रश्न में करते हैं। यह जानने के लिए विभाग पांचवीं और आठवीं कक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं की समीक्षा कर रहा है। आरएसके के आदेश पर पांचवीं एवं आठवीं कक्षा की परीक्षा में शामिल होने वाले 24 लाख से अधिक बच्चों की उत्तपुस्तिकाओं में लिखे करीब 70 करोड़ प्रश्न-उत्तर की ऑनलाइन एंट्री की गई हैं। इनकी समीक्षा के बाद यह देखा जाएगा कि सबसे अधिक गलती बच्चों ने किस प्रश्न में की है। उन्हें किस तरह के प्रश्न को हल करने में परेशानी हो रही है। यह सब जानने के बाद ही कक्षाओं में पढ़ाई शुरू की जाएगी। टीम ने पांचवीं एवं आठवीं कक्षा की उत्तरपुस्तिका में लिखे 70 करोड़ से अधिक डाटा पॉइंट्स की एंट्री की हैं। अब यह देखा जा रहा है कि बच्चे सबसे ज्यादा गलती किसी तरह के प्रश्न में करते हैं। सबसे ज्यादा बच्चों ने कौन से प्रश्न गलत किया हैं। अधिकारियों के मुताबिक स्कूलों में बच्चों को इस तरह से अध्ययन कराया जाएगा ताकि उन्हें नई-नई चीजें सीखने को मिले। उनमें रिसर्च करने की क्षमता विकसित की जा सके। स्कूलों में बच्चों को खेल-खेल में सिखाने की कोशिश की जाएगी, ताकि उन्हें याद रखने के लिए रटना ना पड़े।

70 करोड़ प्रश्न-उत्तर पोर्टल पर अपलोड हल करने में हो रही परेशानी की समीक्षा

निजीकरण का विरोध: वनकर्मी अब खून से लिखेंगे खत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वन विभाग में लागू किया जा रहे निजीकरण के विरोध में वन मजदूर स्थाई कर्मी दैनिक वेतन भोगी वन समिति के चौकीदार एवं वन समिति श्रमिकों ने प्रदेश के 55 जिले से 4 दिन में मुख्य सचिव के नाम 10 हजार पोस्टकार्ड पोस्टकार्ड आंदोलन के माध्यम से भेज दिए हैं। निजीकरण के विरोध में कर्मचारी मंच के नेतृत्व में यह आंदोलन चल रहा है। सोमवार को मुख्य सचिव के नाम खून से पोस्टकार्ड लिखकर निजीकरण का विरोध दर्ज कराया जाएगा। कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि इन वन कर्मचारियों की कड़ी मेहनत से मप्र मिला टाइगर स्टेट,चीता स्टेट, घड़ियाल स्टेट व तेंदुआ स्टेट का दर्जा निजीकरण लागू होने के बाद छिन जाएगा। क्योंकि मप्र सरकार ने एक आदेश जारी करके वन विभाग के सभी कार्य ठेका के माध्यम से करने का पर्यावरण विरोधी निर्णय लिया है यदि वन विभाग में निजीकरण लागू होगा तो वन मजदूर समिति श्रमिकों दैनिक वेतन श्रमिकों का रोजगार भी छिन जाएगा वन ग्राम वन समिति के श्रमिक पलायन करने को मजबूर हो जाएंगे।अब तक मुख्य सचिव को लाखों पोस्टकार्ड भेजने के बाद आचार संहिता के बाद सीएम निवास पर धरना देंगे।

मेट्रो एंकर | प्रथम चरण का शेड्यूल: यूजी-पीजी प्रवेश के लिए मांग रहे एबीसी आईडी

12वीं के छात्रों की नहीं बनी आईडी, इसलिए केवल पीजी के छात्रों को ही मिलेगा लाभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो। उच्च शिक्षा विभाग ने यूजी-पीजी कोर्स में प्रवेश लेने के लिए नई व्यवस्था लागू की है। रजिस्ट्रेशन से पहले प्रत्येक विद्यार्थी को एकेडमी बैंक आफ क्रेडिट (एबीसी) आईडी बताना है। यदि छात्र आईडी नंबर देता है, तो रजिस्ट्रेशन कराते हीदस्तावेजों का सत्यापन भी हो जाएगा। छात्र को अलग से दस्तावेजों को जमा करने की जरूरत नहीं होगी। लेकिन स्कूल स्तर पर विद्यार्थियों की एबीसी आईडी तैयार ही नहीं कराई है। यहां तक कि छात्रों को यह भी नहीं पता है कि एबीसी आईडी क्या है। इसे कैसे बनाना है।

अधिकारियों के मुताबिक छात्रों ने जो भी डिग्री प्राप्त की है। उसकी सारी मार्कशीट व फेल, पास या पूरक की प्रमाण के साथ जानकारी होगी। छात्र ने स्कूल, कॉलेज या यूनिवर्सिटी के अलावा भी देश-दुनिया में कहीं भी किसी भी यूनिवर्सिटी या एकेडमिक संस्थान से कोई भी सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री ली है तो उसका ब्यौरा भी साथ होगा। छात्र को सत्यापन के लिए अलग से दस्तावेज नहीं देना होंगे। कॉलेज में बनी हेल्प लाइन डेस्क पर 12वीं पास छात्र इसे लेकर सवाल भी पूछ रहे हैं। कॉलेज स्तर पर यूजी के विद्यार्थियों की आईडी तैयार कराई गई है। बीयू के लगभग 2 लाख 70 हजार विद्यार्थियों की आईडी तैयार हो चुकी है। ऐसे में यदि यह विद्यार्थी पीजी में प्रवेश लेते हैं, तो उन्हें इस सुविधा का लाभ मिल सकेगा। छात्रों को रजिस्ट्रेशन से पहले एबीसी आइडी, मूल निवासी, विधानसभा क्षेत्र के बारे में जानकारी देना है। उसके बाद ही पंजीयन प्रक्रिया को पूरा माना जाएगा। हालांकि छात्र के पास यदि आईडी है, तो वह हां और नहीं है तो ना का ऑप्शन चुन सकते हैं। इसके बाद छात्र-छात्राएं अंकसूची, आय-जाति प्रमाण पत्र अपलोड कर सकेंगे।

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 19 मई 2024 epaper.dopaharmetro.com

अयोध्या में राम बनाम संविधान, इस शहर में क्या चाहती है जनता

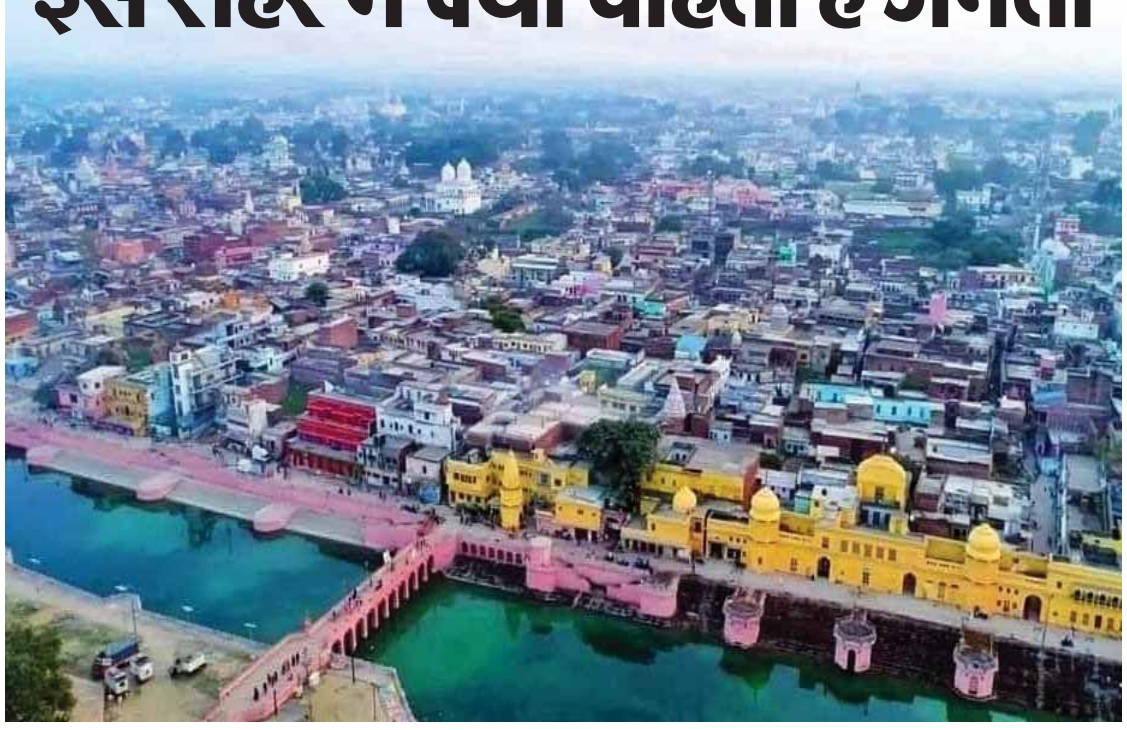

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के साथ ही बीजेपी ने इसे लोकसभा चुनाव 2024 के लिए एक बड़ा मुद्दा बना लिया है। भाजपा के प्रचार अभियान में राम मंदिर के मुद्दे को बार-बार उठाया जा रहा है। इसके साथ ही फैजाबाद लोकसभा सीट, जिसके अंतर्गत अयोध्या आती है भाजपा के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई बन गई है। वहीं, दूसरी ओर विपक्ष इस कहानी को राम से संविधान की ओर मोड़ने की कोशिश कर रहा है। उत्तर प्रदेश की इस हाई-प्रोफाइल सीट पर 20 मई को पांचवें चरण में मतदान होना है। फैजाबाद सीट पर इस बार मुकाबला समाजवादी पार्टी के नौ बार के विधायक अवधेश प्रसाद और मौजूदा भाजपा सांसद लल्लू सिंह के बीच है। लल्लू सिंह उन भाजपा नेताओं में से एक हैं जिन्होंने कहा था कि पार्टी को संविधान बदलने के लिए 400 सीटों की जरूरत है।

इस सीट के मिजाज पर जनसत्ता में मौलश्री सेठ की ग्राउंड रिपोर्ट कहती है कि लल्लू सिंह का चुनाव अभियान नरेंद्र मोदी के इर्द-गिर्द घूमता है। वह लोगों से कहते हैं कि प्रधानमंत्री ने राम मंदिर के अभिषेक के साथ 500 साल पुराना सपना पूरा किया और अब वह भगवान कृष्ण को भी मथुरा लाएंगे। उनके अभियान के दौरान बजाए जाने वाले गानों का उद्देश्य भी लोगों को यह याद दिलाना है कि कैसे जिन लोगों ने 'राम भक्तों पर गोलियां चलाईं (1990 में मंदिर कार सेवकों के खिलाफ मुलायम सिंह के नेतृत्व वाली तत्कालीन सपा सरकार की कार्रवाई का संदर्भ)' वे अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विरोध करने की कोशिश कर रहे हैं।अपनी जीत के प्रति आश्वस्त भाजपा अयोध्या में रेलवे स्टेशन, सड़कों और आगामी आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के साथ ही बुनियादी ढांचे में सुधार के बारे में भी बात कर रही है। अयोध्या के मेयर गिरीश पति त्रिपाठी ने द इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत के दौरान कहा, मुकाबला कहां हैड़ अयोध्या में कोई मुकाबला नहीं है। किसने सोचा था कि ऐसा दिन भी आएगा। वहां चौड़ी सड़कें हैं, बेहतर व्यवसाय हैं और अयोध्या दुनिया की नजरों में है, इसके लिए योगीजी और मोदीजी को धन्यवाद।÷हालांकि, संविधान पर लल्लू सिंह की टिप्पणी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव को भाजपा पर निशाना साधने का मौका दे दिया। उन्होंने हाल ही में फैजाबाद में एक सभा में कहा था, रोटी, कपड़ा, मकान है जरूरी, लेकिन हमारे लिए संविधान बचाना भी जरूरी है। एक ऐसे निर्वाचन क्षेत्र में जहां दलित मतदाताओं की संख्या लगभग एक चौथाई है, सपा समुदाय के वोटों का एक बड़ा हिस्सा हासिल करने की कोशिश कर रही है। सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद अपने स्थानीय होने पर जोर दे रहे हैं और राम का भी जिक्र कर रहे हैं। प्रचार के दौरान वह कहते हैं, न केवल मैं अयोध्या का हूं बल्कि राम मेरे दिल में भी हैं क्योंकि मेरे परिवार के सदस्यों भाई, पिता और ससुर के नाम में भी राम है। वहीं, दूसरी ओर अयोध्या में स्थानीय लोग राम मंदिर और उससे होने वाले फायदों से खुश हैं लेकिन वह चाहते हैं कि सरकार भविष्य में सड़क चौड़ी करने के कारण दुकानों के नुकसान पर उनकी चिंताओं पर ध्यान दे।

क्या कहती है अयोध्या की जनता?

राम मंदिर तक जाने वाली सड़क पर, शशि पांडे और गीता सिंह दुकान पर बैठती हैं। इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत के दौरान शशि कहती हैं कि वह थोड़ी निराश हैं क्योंकि उन्होंने हाल ही में अपनी 5,000 रुपये प्रति माह की रसोइया की नौकरी छोड़ दी है क्योंकि वीवीआईपी आवाजाही पर प्रतिबंध के कारण पब्लिक ट्रांसपोर्ट न मिलने की वजह से उन्हें 1.5 किमी पैदल चलना पड़ता था। शशि कहती हैं कि उन्होंने राम मंदिर के लॉकर रूम में काम करने के लिए आवेदन किया था लेकिन उन्हें किसी मंत्री से बात करने के लिए कहा गया।वहीं, गीता जिनकी आय का एकमात्र स्रोत दुकान है कहती हैं कि मंदिर में अभिषेक के बाद से बिजनेस तेज हो गया है, लेकिन एक नकारात्मक पहलू भी आया है। इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत के दौरान गीता कहती हैं, ÷हमें दुकान के उस हिस्से का मुआवज़ा भी मिला जो हमने सड़क विस्तार के कारण खो दिया था लेकिन वह रेनोवेशन में खर्च कर दिया गया है। सिर्फ हमें ही नहीं तीर्थयात्रियों को भी परेशानी होती है क्योंकि उन्हें भी पैदल चलना पड़ता है। हमने सोचा था कि अंततः बैरिकेडिंग हटा दी जाएगी, लेकिन अभी तक ऐसा हुआ नहीं है।

फैजाबाद में नहीं हुआ विकास

नया घाट की ओर जाने वाली सड़क पर कन्फेक्शनरी की दुकान चलाने वाले सुंदर प्रसाद इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत के दौरान कहते हैं, ÷हमें खुशी है कि अयोध्या में बदलाव आया है लेकिन वीवीआईपी आगमन के दौरान मेरे लिए अपने बच्चों को स्कूल छोड़ना भी मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा, यह सुधार अयोध्या तक ही सीमित प्रतीत होते हैं। फैजाबाद शहर के लगभग 35 किमी दूर नक्का क्षेत्र में जिसे कभी फैजाबाद जिले का केंद्र माना जाता था, कई लोगों का जीवन नहीं बदला है। यहां फूल बेचने वाले मोहम्मद इरफान कहते हैं, यहां सब सपा समर्थक हैं, आप आगे बढ़ें। उन्होंने कहा, ÷अयोध्या में भले ही विकास हुआ हो लेकिन फैजाबाद में कुछ भी नहीं बदला है। फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र में पांच विधानसभा क्षेत्र हैं, जिनमें से चार (दरियाबाद, रुदौली, बीकापुर और अयोध्या) पर भाजपा का कब्जा है, जबकि एक (मिल्कीपुर) का प्रतिनिधित्व सपा के अवधेश प्रसाद करते हैं। हाल के दिनों में, फैजाबाद लोकसभा सीट पर सपा (1998), बसपा (2004), कांग्रेस (2009) और भाजपा (1999, 2014 और 2019) ने जीत हासिल की है। 2019 के चुनावों में, जब सपा और बसपा ने गठबंधन में चुनाव लड़ा तो लल्लू ने 65,000 से अधिक वोटों के अंतर से जीत हासिल की।

यादों में एलिस मनरो

उनका लेखकीय स्वर साहित्य में वैसे ही टूटता है, जैसे ईश्वर का, जो चुप नहीं रह सकता

■ विजय शर्मा

जब एलिस मनरो से पूछा जाता- 'उनकी लिखने की प्रक्रिया क्या है?' उनका उत्तर होता, 'उनके लिए लिखने की प्रक्रिया अक्सर बहुत कठिन होती है। वे धीरे-धीरे मगर लगातार काम करती हैं।' बीस साल की उम्र से अंत-अंत तक वे बराबर लिखती रहीं पर अंतिम 12 साल स्मृतिलोप का शिकार रहीं। कई बार पुनर्लेखन करने वाली को प्रकाशन के बाद भी कहानी में कुछ शब्द जोड़े जा सकने की गुंजाइश लगती है। समयाभाव के कारण वे उपन्यास न लिख कर सदा कहानियां लिखीं। अपनी लंबी कहानियों के साथ न केवल स्वीकृत हो गईं बल्कि 2013 का साहित्य का नोबेल पुरस्कार उनकी झोली में आया।

एलिस मनरो का जन्म कनाडा के साउथवेस्ट के एक छोटे-से शहर ओन्टारिओ में 10 जुलाई 1931 को हुआ। पिता रॉबर्ट एरिक लैडलॉ ऊन के लिए सिल्वर लोमड़ी पालन का व्यवसाय करते थे, जीवन के अंतिम हिस्से में उन्होंने 'द मैक्ग्रेगर' नाम से एक उपन्यास लिखा। मां एन चमनी लैडलॉ स्कूल शिक्षिका थीं। एलिस ने 20 साल की उम्र में 22 साल के जेम्स आर्मस्ट्रॉन्ग मनरो से विवाह किया, 1976 में उनका तलाक हो गया। दूसरे पति जियोग्राफर जेरॉल्ड ड्रेमलिन उनके कॉलेज के मित्र थे।

1968 में 'डॉन्स ऑफ द हैप्पी सेड्स', 1971 में 'लाइड्स ऑड् गर्ल्स एंड वीमेन', 1974 में 'समथिंग आईहैव बीन मीनिंग तो टेल यू', 1978 में 'हू डू यू थिंक यू आरड़' 1982 में 'द मून्स ऑड् जूपिटर', 1986 में 'द प्रोग्रस ऑड् लव', 1990 में आए 'ड्रैंड ऑड् माई यूथ', 1998 में 'द लव ऑड् अ गुड वूमन' (नेशनल बुक क्रिटिक सर्किल अवार्ड), 2001 में 'हेटशिप, ड्रैंडशिप, कोर्टशिप, लवशिप, मैरेज', 2004 में अगला कहानी संग्रह 'रनअवे', 2005 में 'द व्यू ड्रॉम केसल रॉक', 2009 में 'टू मच हैप्पीनेस' (मैन बूकर इंटरनेशनल पुरस्कार) कहानी संग्रह प्रकाशित हुए।

'कहानी जीवन के अनोखेपन का चित्रण करती है। अधिकतर पुरुषों में यह प्रवृति नहीं होती है, उन्हें जीवन बहुत अनोखा नहीं लगता है।' कहने वाली एलिस ने 2012 'डीयर लाइफ' कहानी संग्रह के प्रकाशन के साथ लेखन से सन्यास लेने की बात कही पर लिखती रहीं। स्त्रियों में जीवन को वाचिक रूप में रूपांतरित करने की प्रवृति होती है। उनकी कहानियों में लोककथाएं आती हैं, वे लोगों की बातें सुनती रहती हैं, बातों की लय पकड़, उसे लेखन में अपने तरीके से पिरोने का प्रयास करती हैं। उन्हें लोगों के साथ काम करना, उनसे बातें करना अच्छा लगता है। लोगों का आश्चर्य पसंद आता है। उनकी एक कहानी 'रनअवे' में एक स्त्री अपने कठिन वैवाहिक जीवन से परेशान हो कर पति छोड़ने का निश्चय करती हैं और इसके लिए एक खूब तार्किक उम्र दराज स्त्री से बड़ावा मिलता है। जब समय आता है, भाग नहीं पाती है, अनुभव करती है कि भाग नहीं सकती है। वह जानती है कि यह सही कदम है, भागने का कारण भी है, मगर भागती नहीं है। उनके यहां थीम की बार-बार आवृति होती है। कहानी 'ट्रेन' में जैक्सन एक पुरुष पात्र है। जब वक्त आता है, वह अपने परिवेश से नहीं निकल पाता है। इसी तरह उनके यहां सेक्सुअल तत्व भी बराबर मिलते हैं।

जिंदगी को रोचकता के साथ देखने वाली एलिस का अपना जीवन कठिनाइयों भरा रहा, पर उन्होंने लिखने के लिए समय निकाला, सरलता पाई। खुद को भाग्यवान मानने वाली वे बचपन में खूब शारीरिक काम करती थीं। परिवार खेतीहर था और उनकी मां काम नहीं कर पाती थीं। वे कल्पना करती थीं कि वे लेखिका बनेंगी। कहती हैं कि यदि वे न्यू यॉर्क के किसी पढ़े-लिखे परिवार में जन्मी होतीं तो शायद लिखने की बात नहीं सोचतीं। उनका माता-पिता से प्रेम, भय और नापसंदगी का रिश्ता था। इस रिश्ते का वे अपनी कहानी 'डीयर लाइफ' में अन्वेषण करती हैं। मां से रिश्ते की जटिलता उनकी बीमारी के कारण न थी। वे बीमार न होतीं तो यह रिश्ता और जटिल होता। असल में उनकी मां एक अच्छी, बात मानने, उलट कर प्रश्न न करने वाली बेटी चाहती थीं, पर ये गुण एलिस में नदारत थे। वैसे उनकी मां स्त्री के अधिकारों के विषय में जागरुक थीं, उन दिनों बहुत सारी स्त्रियों की तरह शुद्धतावादी थीं। सैक्स के प्रति उनकी मां का रवैय्या संत्रास भरा था।

उपन्यासकार सिंथिया ओजिक के अनुसार-'वे हमारी चेखव हैं।' स्त्रियों के जीवन और उनकी प्रेरणा का निरीक्षण उनकी विशिष्टता है। उनके यहां पीड़ियों का संघर्ष, गर्भपात, बेवफाई भी समाहित है। उनके काम की समीक्षा करते हुए जॉन अपडाइक लिखते हैं, एलिस मनरो नियति को दृढ़ता के साथ बुनती हैं। उनका अपना लेखकीय स्वर साहित्य में वैसे ही टूटता है, जैसे ईश्वर का, जो चुप नहीं रह सकता है। उनकी कहानियों में मां शिद्दत से आती है, पिता भी उपस्थित हैं। एलिस की कहानियों के पिता मजबूत, साहसी, मेहनती हैं, कठिनाइयों को हास्य में बदलने का माद्दा रखते हैं। जैसे 'वॉकर ब्रदर्स काउब्वॉय' के बेन जोर्डन या 'द स्टोन इन द ड़ील्ड' के डूलेमिंग हैं। ये पिता बुद्धिमान हैं, इन्हें भाषा से प्रेम है, 'रॉयल बीटिंग्स' में रोज का पिता और 'द मून्स ऑड् जूपिटर' के कथावाचक के पिता को भी देखा जा सकता है। 'द मून्स ऑड् जूपिटर' का प्रकाशन एलिस के पिता की मृत्यु के बाद हुआ था। वे पारीवारिक जीवन की अच्छी चेतेरी हैं। वह रचनाकार ही क्या जो अपने लेखन की सीमा का अतिक्रमण न करे। अपने ग्रामीण परिवेश को केंद्र में रख कर लिखने वाली मनरो यदा-कदा अपने घेरे को तोड़ कर दिखाती हैं। मानो कह रही हों, देखो मैं ऑस्ट्रेलिया, स्कॉटलैंड भी जा सकती हूं, उन्हें अपने लेखन का स्थान बना सकती हूं। इसी तरह अपने लेखन का बंधन तोड़ती हुई वे अलबानिया के पर्वतों पर जा पहुंचती हैं, वह भी एक सदी पहले। उन्होंने 'टू मच हैप्पीनेस' में उन्नीसवीं सदी की रूसी महिला गणितज्ञ पर पन्ने-पर-पन्ने रचे हैं। लेकिन यह सही है कि वे बार-बार अपनी जन्मभूमि हर्टन काउंटी लौट आती हैं। जैसे गुंटर ग्रास ने डेंजिग, जेम्स जॉयस ने डब्लिन, नजीब महडूज ने कैरो, ओरहान पामुक ने इस्ताम्बुल को साहित्य में अमर कर दिया, ठीक इसी तरह एलिस मनरो ने अपने शहर साउथवेस्ट ओन्टारियो को अमरता प्रदान की है। इस शहर को 'एलिस मुनरो का देश' नाम से जाना जाता है। उनकी हार्दिक इच्छा है कि उन्हें यहीं दफनाया जाए। 13 मई 2024 क्को उनकी मृत्यु हुई। उन्होंने नोबेल भाषण नहीं दिया था। 'मैं ब्रिज नहीं खेल सकती। मैं टेनिस नहीं खेलती। वो सारी चीजें जो लोग सीखते हैं, मैं उनकी प्रशंसा करती हूँ, लगता है मेरे पास उनके लिए समय नहीं है। लेकिन खिड़की से बाहर देखने के लिए समय है।' कहने वाली, खूब साक्षात्कार देने वाली एलिस मनरो की जीवनी रॉबर्ट थैकर ने 'एलिस मुनरो, राइटिंग हर लाइड़' नाम से लिखी है। **– साभार**

23 मई को है विश्व कछुआ दिवस

कछुओं को बचाने की मुहिम

■ के.पी. सिंह

क्या आपको मालूम है कि इस धरती में सबसे पहले से कौन रह रहा है? जी हां, ये कछुआ है, जो 20 करोड़ साल से भी पहले से इस धरती पर विचरण कर रहा है, जब न तो सांप थे, न पंछी थे, न छिपकलियां और शायद हम भी नहीं। इस तरह से देखें तो धरती में कछुआ सबसे पुराना जीव है, इसलिए वह हमारा सबसे पुराना पुरखा है। कछुओं की सैकड़ों प्रजातियां होती हैं, उनके दर्जनों आकार होते हैं। 4 इंच का छोटा कछुआ भी इस धरती में मौजूद है और 2 मीटर लंबा कछुआ भी इस धरती का बाशिंदा है। कछुओं को इंसान इसलिए भी जानता है, क्योंकि कछुए सबसे ज्यादा दिनों तक जीने वाले प्राणी हैं। कछुओं का औसतन जीवनकाल 170 से 188 वर्ष तक होता है। कछुए इस धरती में डायनासोरों को अपने सामने विलुप्त होते हुए देखा और खुद जिंदा बच गये। जरूर उनके पास डायनासोरों के खात्मे का राज होगा। वैज्ञानिक हैरान हैं कि समुद्री कछुओं के पास प्राकृतिक रूप से अपना एक ऐसा जीपीएस सिस्टम होता है, जो न सिर्फ उसे रास्ता दिखाता है बल्कि इसकी बदौलत वे अपने चारों ओर चुंबकीय क्षेत्र को भी महसूस करते हैं।

पिछली सदी के आखिरी तक ऐसी स्थितियां हो गई थीं कि जीव वैज्ञानिकों को लगा कि कहीं कछुए इतिहास का हिस्सा न हो जाएं। तभी अमेरिका में एक कछुआ बचाव संगठन 'अमेरिकन टर्टाइज रेसक्यू' (एटीआर) स्थापित हुआ और इसके वॉलियंटर धरती के इन पुरखों की सुरक्षा के लिए आगे बड़कर आये। एटीआर ने करीब 5000 कछुओं को बचाकर उन्हें नये घरों में सुरक्षा और संरक्षण प्रदान किया। साल 2000 में इस संगठन ने पारिस्थितिकी विशेषज्ञों के साथ मिलकर वैश्विक स्तर पर इस जागरूकता का प्रसार किया कि अगर कछुए धरती से गायब हो गये तो पारिस्थितिकी की सबसे पुरानी और जीवंत कड़ी गायब हो जायेगी। इस चिंता के तहत हजारों कछुआ पालकों को प्रेरित किया गया कि वे कछुओं की सुरक्षा और संरक्षण में सहयोग करें।

इन प्रयासों से कछुओं के संरक्षण का काम शुरू हुआ। इसी संगठन ने साल 2000 में 23 मई को कछुओं की सुरक्षा और संरक्षण के लिए दुनिया का ध्यान खींचने हेतु विश्व कछुआ दिवस मनाना शुरू किया। पिछले 24 सालों से 23 मई को पूरी दुनिया में कछुआ दिवस मनाया जाता है। हर साल इस दिन की एक विशेष थीम होती है। जैसे साल 2023 की थीम थी- 'आई लव टर्टल' जो लोगों को कछुओं के घटते और खत्म होते आवासों तथा लुप्त होती कछुओं की विशिष्ट प्रजातियों को संरक्षित करने के लिए प्रेरित और जागरूक किया था। कछुए वास्तव में ऐसे सरीसृप हैं, जो दुनियाभर में विभिन्न प्रकार के वातावरण में जीवित रहते हैं। कछुओं को लेकर यह धारण बनाना गलत है कि वह सिर्फ पानी या समुद्र में ही रहते हैं। कछुए हर तरह के वातावरण में सर्वाइव कर लेते हैं। कम पानी वाली जगहों पर भी कछुए रह लेते हैं। कछुआ एक शानदार प्राणी है और इसकी 300 प्रजातियों में से 129 प्रजातियां लुप्त हो गई हैं बाकी प्रजातियां भी लुप्त न हों, इसके लिए दुनियाभर के कछुआ प्रेमी, पारिस्थितिकी विशेषज्ञ और जीव वैज्ञानिक धरतीवासियों से कछुओं को बचाने की प्रार्थना करते हैं। इस साल विश्व कछुआ दिवस की थीम है- लेट्स पार्टी। दरअसल इस थीम का मतलब है आओ कछुओं को बचाने की मुहिम का आनंद उठाएं। विश्व कछुआ दिन पर न सिर्फ हमें खुद कछुओं के बारे में जागरूक होना चाहिए बल्कि बच्चों को विशेष तौर पर कछुओं के महत्व को बताना चाहिए।

भारत दुनिया के उन कुछ गिने-चुने देशों में से एक है, जहां कछुओं की कई प्रजातियां पायी जाती हैं। गोवा के गलगीबागा तथा पुरी के समुद्रतट पर कछुओं के संरक्षण के लिए उन्हें अंडे देने हेतु घोसले बनाये जाते हैं और जब तक उन अंडों से फूटकर बच्चे नहीं निकल आते, उनकी देखरेख की जाती है। हमें लुप्त होते कछुओं के महत्व को समझते हुए इनके संरक्षण पर अपना योगदान देना चाहिए। **– साभार**

संभागायुक्त ने हरदा की जिला शिक्षा अधिकारी को निर्वाचन लापरवाही पर निलंबित किया

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा ने हरदा की जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती पी.एम. सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि 7 मई को मतदान करते हुए कमल पटेल का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने जिसमें श्री पटेल बूथ के अंदर जाते हुए दिख रहे है एवं वोटिंग कम्पाटमेन्ट में अपने साथ एक नाबालिग बालक को भी ले जाया गया एवं वोट डाला गया। वीडियो फुटेज में जिला शिक्षा अधिकारी हरदा श्रीमती पी.एम. सिंह भी दिखाई दे रही थी। श्रीमती पी.एम. सिंह की उपस्थिति में उक्त घटनाक्रम हुआ किन्तु उनके द्वारा इस संबंध में ना कोई कार्यवाही की गई और ना ही इसकी सूचना वरिष्ठ कार्यालय को दी गई। लोकसभा निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही बरते जाने के कारण कलेक्टर हरदा ने अनुशासत्नामक कार्यवाही प्रस्तावित की थी। संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा ने म.प्र. सिविल सेवा नियम 1966 के नियम -9 के अतंर्गत प्रथम दृष्टया गंभीर कदाचरण का दोषी मानते हुए जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती पी.एम. सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में श्रीमती पी.एम. सिंह को कार्यालय कलेक्टर हरदा में नियत किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी। उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील रहेगा।

खनिज विभाग ने अवैध उत्खनन करने पर 18 मोटर बोट एवं एक ट्रैक्टर-ट्राली जप्त की

नर्मदापुरम। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार शनिवार 18 मई को सिवनीमालवा के ग्राम डिमावर एवं बाबरी में खनिज विभाग ने पुलिस बल के सहयोग से बड़ी कार्यवाही करते हुए मोटर वोट से रेत का अवैध उत्खनन पाए जाने पर 18 मोटर बोट जप्त किया एवं उन्हें पुलिस थाना शिवपुर की अभिरक्षा में रखा गया है। उक्त मोटर बोट के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के अनुरूप कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 17 मई को खनिज विभाग द्वारा सोहागपुर में एक ट्रैक्टर ट्राली को रेत का अवैध परिवहन करता पाए जाने पर जब्त किया गया। उक्त कार्यवाही में जिला खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम, खनिज निरीक्षक कृष्ण कांत परस्ते, सिपाही हेमंत राज एवं पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिला खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम ने बताया कि खनिज विभाग द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार नियमित रूप से कार्यवाही की जा रही है।

सभी शिक्षक एवं प्राचार्य को शत प्रतिशत रिजल्ट लाने का संकल्प एवं जिम्मेदारी लेनी होगी : कलेक्टर

देश व समाज निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को शिक्षक समझें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

शिक्षकों के पास वह ज्ञान है जिससे वह अपने विद्यार्थियों को कलेक्टर भी बना सकते है

कलेक्टर ने शत प्रतिशत रिजल्ट लाने वाले स्कूल के प्राचार्य एवं मेंधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

हमारे समाज एवं देश के निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी शिक्षक अपनी इस भूमिका को समझें। ईश्वर ने शिक्षकों को वह ज्ञान, अध्ययन दिया है। अपनी समुचित ज्ञान विद्यार्थियों को देकर एक शिक्षक अपने विद्यार्थी को कलेक्टर भी बना सकते हैं। आज यहां पर सभी शिक्षक एवं प्राचार्य संकल्प ले की वह इस वर्ष अपने स्कूलों का रिजल्ट शत प्रतिशत देंगे। इसके लिए वे विशेष रूप से मेहनत भी करेंगे। उक्त बात कलेक्टर सोनिया मीना ने प्राचार्यों एवं मेधावी विद्यार्थियों के लिए आयोजित सम्मान समारोह में कहीं।

स्थानीय शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय में शत प्रतिशत रिजल्ट देने वाले हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य एवं जिले में एवं प्रदेश सूची में प्रावीण आने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया था।

सम्मान समारोह में कलेक्टर ने प्राचार्य एवं मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि इस वर्ष का हायर सेकेंडरी स्कूलों का परीक्षा परिणाम संतोष जनक एवं हर्ष उत्पन्न करने वाला है। लेकिन हाई स्कूल का रिजल्ट चिंता जनक एवं निराशाजनक है। इसमें हमें चिंतन करने की आवश्यकता है कि रिजल्ट इतना खराब क्यों रहा। कलेक्टर ने अच्छा परिणाम देने वाले स्कूलों के प्राचार्य को शुभकामनाएं दी और कहां की कुछ शिक्षक लगातार अनुशासन निष्ठा एवं मेहनत से अपने दायित्व का निष्ठापूर्वक निर्वहन किया है। इसी का परिणाम है कि हायर सेकेंडरी स्कूल का परीक्षा परिणाम प्रदेश स्तरीय रहा है।

कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक यदि मेहनत करते हैं तो बच्चे भी मेहनत करने के लिए प्रेरित होते हैं, और बच्चे जीवन में आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों ने प्रावीण सूची में स्थान बनाकर न केवल समाज एवं जिले का अपितु अपने माता-पिता का नाम भी रोशन किया है।कलेक्टर ने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों ने बेहतरीन रिजल्ट लाकर जिले का नाम प्रदेश स्तर तक रोशन किया है। इन सब में उनके शिक्षकों एवं प्राचार्य की मेहनत भी झलकती है ।

कलेक्टर ने कहा कि सभी शिक्षकों को यह पता होना चाहिए कि समाज एवं प्रशासन उनसे क्या अपेक्षा रखता है, उन्होंने कहा कि जिन स्कूलों का परीक्षा परिणाम खराब रहा है, उन प्राचार्य को भी अब बैठकर इस बात पर विचार करना चाहिए कि तैयारी में कहां कमी रह गई थी। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक एक ऐसा पद है जिसका सभी जगह सम्मान किया जाता है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के लोग शिक्षकों से मार्गदर्शन लेते हैं। कलेक्टर ने कहा कि जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हम अपनी नौकरी को देते हैं। हम जिस चीज की नौकरी कर रहे हैं उसमें अपना शत प्रतिशत दें। इसमे बेहतरीन प्रदर्शन करें।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को सम्मान मिलता है। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षकों के अंदर जो ज्ञान का भंडार है वह उसे और भी ज्यादा विकसित करें और उस ज्ञान का प्रसार अपने विद्यार्थियों में करें। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक जितना बेहतरीन जानकारी से लैस होगा उतना ही उसके विद्यार्थी भी ज्ञान से परिपूर्ण रहेंगे।

कलेक्टर ने कहा कि यद्यपि करवाई, दंड, निरीक्षण करने से प्रभाव तो पड़ता है लेकिन सबसे बड़ा भाव यह होना चाहिए कि हम जो कार्य कर रहे हैं उसे हम कितना विस्तारित कर रहे हैं। एक अच्छे शिक्षक का कोई रिप्लेसमेंट नहीं होता है।

कलेक्टर ने कहा कि कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम इस वर्ष निराशाजनक और खेद जनक है, इसके लिए शिक्षकों एवं प्राचार्य को चिंतन करने की आवश्यकता है कि बाकी स्कूलों का या जिलों के परीक्षा परिणाम के मुकाबले हम कहां पीछे रह गए। कलेक्टर ने कहा कि आज सभी प्राचार्य इस बात पर चिंतन करें कि उनके स्कूलों का परीक्षा परिणाम इतना निराशाजनक क्यों रहा।

कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन भी अपना दायित्व निभाएगा जिन शिक्षको की रुचि पढ़ाने में नहीं है ऐसे शिक्षकों पर कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि हालांकि मुझे लगता है कि इसकी आवश्यकता नहीं पड़ेगी। हम उम्मीद करते हैं कि शिक्षक अपना दायित्व बेहतर तरीके से समझेंगे। कलेक्टर ने कहा कि कुछ शिक्षकों ने अपनी कमियां छुपाने के लिए कहा कि उनके स्कूलों में गरीब, कमजोर एवं श्रमिक वर्ग के बच्चे हैं, यह तर्क ठीक नहीं है। हम सब संघर्षों एवं चुनौतियां को पार करके ही आज इस मुकाम पर पहुंचे हैं तो हम विद्यार्थियों को जिम्मेदार न ठहराएं।

शिक्षक उन विद्यार्थियों को जो पढ़ाई में कमतर है उन्हें रोजगार उन्मुखी शिक्षा दे। विद्यार्थियों के अंदर स्केल डेवलप करें उन्हें तकनीकी कौशल से जोड़ें।

कलेक्टर ने कहा कि सभी शिक्षकों के ऊपर बहुत बड़ा दायित्व है, वह अपने दायित्व को समझें। जिन स्कूलों के परीक्षा परिणाम बेहतर रहे हैं उन स्कूलों के शिक्षक एवं प्राचार्य उन प्राचार्य एवं शिक्षकों को मार्गदर्शन दे जिनका परीक्षा परिणाम निराशाजनक रहा है। उन्हें बताएं कि किस तरह उन्होंने अपने स्कूलों का परीक्षा परिणाम बेहतर किया है। उन्होंने मौके पर ही जिला शिक्षा अधिकारी को एक ट्रेनिंग सेशन करने के भी निर्देश दिए।

इसके पूर्व मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर सम्मान समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री बिशेन ने पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण श्रीमती भावना दुबे ने सभी मेधावी विद्यार्थियों और प्राचार्य को बधाई दी, और कहा कि जिन स्कूलों का रिजल्ट निराशाजनक रहा है वहा के शिक्षक एवं प्राचार्य प्रेरित होंगे कि आगे से वे अपना प्रदर्शन कैसे सुधारे और बेहतर परीक्षा परिणाम दें।

एग्जिट पोल एवं परिणाम का प्रकाशन या प्रचार 1 जून तक पूर्णतः प्रतिबंधित

सीहोर। लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के दौरान 19 अप्रैल की सुबह 7 बजे से एक जून की शाम 6:30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर पूर्णतया-प्रतिबंध रहेगा।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 28 मार्च 2024 को इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी गई है। जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि निर्वाचन के दौरान सभी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिये नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घंटों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामलों के प्रदर्शन पर भी पूर्णतया- प्रतिबंध रहेगा। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा 126क में यह प्रावधानित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति, कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान, जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार भी नहीं करेगा। यदि कोई व्यक्ति इस प्रावधान का उल्लंघन करेगा, तो वह ऐसी अवधि के कारावास से, जो दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से, दण्डनीय होगा।

कमीशनिंग के कार्य में अशोभनीय व्यवहार करने पर सहायक प्राध्यापक को निलंबित किया

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा ने 18 अप्रैल को कमीशनिंग के कार्य में समय पर उपस्थित ना होने एवं कारण पूछे जाने पर अशोभनीय व्यवहार एवं अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने तथा पटवारी के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने पर शासकीय कन्या महाविद्यालय इटारसी के सहायक प्राध्यापक स्नेहांशु सिंह को म.प्र. सिविल सेवा नियम 1966 के नियम -9 के अंतर्गत प्रथम दृष्टया गंभीर कदाचार का दोषी मानते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में स्नेहांशु सिंह को कार्यालय कलेक्टर नर्मदापुरम में नियत किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी। उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील रहेगा।

उपाय एप के जरिए अब होगा विद्युत शिकायत का समाधान

सीहोर, दोपहर मेट्रो।

विद्युत संबंधी शिकायत के निराकरण के लिये उपाय एप के माध्यम से आसानी से समाधान किया जा रहा है। इसके लिए आपको अपने मोबाइल में उपाय एप डाउनलोड करना होगा। आंधी, तूफान एवं अन्य कारणों से होने वाले विद्युत व्यवधान के निराकरण के लिए भी उपभोक्ता मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपाय एप को डाउनलोड कर अपनी शिकायत का त्वरित समाधान प्राप्त कर सकते हैं। कंपनी ने बताया है कि बिजली उपभोक्ता गूगल प्ले स्टोर से इस एप को निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। उपभोक्ता मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपाय एप के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करने के साथ ही शिकायत की स्थिति भी जान सकते हैं। साथ ही बिजली बिल भी आसानी से घर बैठे ऑनलाइन जमा किया जा सकता है। बिजली उपभोक्ताओं के लिए उपाय एप के अनेक फायदे हैं। उपाय एप के रजिस्टर कंप्लेंट ऑप्शन की सहायता से विद्युत व्यवधान या बिल संबंधी शिकायत दर्ज कर शिकायत क्रमांक प्राप्त कर सकते हैं।शिकायत के निराकरण की स्थिति भी उपाय एप के माध्यम से जान सकते हैं । अपने वर्तमान बिल को डाउनलोड करने के साथ ही बिल भुगतान भी किया जा सकता है । उपाय एप से बिल का भुगतान करने पर उपभोक्ता को बिल डेस्क, एचडीएफसी बैंक पे-यू, गूगल पे, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, यूपीआई, नेट बैंकिंग इत्यादि ऑप्शन्स प्राप्त होते हैं।

मेट्रो एंकर आवेदन जनजातीय कार्य विभाग रायसेन के कक्ष क्रं-52 में जमा कर सकते हैं

जिला व विकासखण्ड स्तरीय छात्रावासों में कोचिंग कार्य हेतु 15 जून तक कर सकते हैं आवेदन

रायसेन, दोपहर मेट्रो।

जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय बालक एवं कन्या उत्कृष्ट छात्रावासों में वर्ष 2024-25 कोचिंग कार्य के लिए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के आवेदन जिला कार्यालय जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति कल्याण विभाग रायसेन में आमंत्रित किए गए हैं। जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक ने बताया कि जिला एवं विकासखण्ड कन्या/बालक उत्कृष्ट महाविद्यालय, अनुसूचित जाति/जनजाति/छात्रावासों में वर्ष 2024-25 में कोचिंग कार्य के लिए निर्धारित विषयों के विशेषज्ञ जो 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हो, वह अपने आवेदन कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कार्यालय जनजातीय कार्य विभाग रायसेन के कक्ष क्रमांक-52 में जमा कर सकते हैं।

जिला एवं विकासखण्ड महाविद्यालय छात्रावासों में अंग्रेजी कोचिंग के लिए स्नातक, स्नाकोत्तर उत्तीर्ण शिक्षक एवं उत्कृष्ट संस्थानों में कम्प्यूटर कोचिंग हेतु पीजीडीसीए एवं उच्च परीक्षा उत्तीर्ण प्रशिक्षक अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। शासकीय एवं अशासकीय/प्राईवेट शिक्षक कोचिंग कार्य हेतु अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। जिन्हें जिला कार्यालय एवं जिला स्तरीय गठित समिति के सदस्य द्वारा चयन उपरांत नजदीकी संस्थाओं में अध्ययन कार्य कराने हेतु आदेश प्रदाय किया जाएगा।

जिला एवं विकासखण्ड बालक/कन्या उत्कृष्ट छात्रावास में कक्षा 11वीं तथा 12वीं में रसायन, भौतिकशास्त्र, गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, कम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए प्रथम श्रेणी स्नाकोत्तर उत्तीर्ण शिक्षक आवेदन कर सकते हैं। जिला एवं विकासखण्ड बालक/कन्या उत्कृट छात्रावास में कक्षा 9वीं एवं 10वीं में विज्ञान, गणित, अंग्रेजी, कम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए स्नातक परीक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण शिक्षक आवेदन कर सकते हैं। जिला तथा विकासखण्ड बालक/कन्या महाविद्यालय छात्रावासों में अंग्रेजी विषय की स्नातक तथा स्नाकोत्तर कक्षाएं अंग्रेजी विषय के लिए एम अंग्रेजी प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण शिक्षक आवेदन कर सकते हैं। जिला संयोजक ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार अनुसूचित जाति बालक/कन्या उत्कृष्ट संस्थाओं में प्रत्येक विषय के कालखण्ड का कोचिंग मानदेय 300 रू एवं महाविद्यालयीन संस्थाओं में 200 रू का भुगतान किया जाएगा। अनुसूचित जनजाति संस्थाओं में कोचिंग मानदेय MPTAAS Portal मॉड्यूल के माध्यम से सुनिश्चित राशि का भुगतान किया जाएगा।

जनजातीय एवं अनुसूचित जाति के छात्रावास तथा आश्रमों में प्रवेश हेतु 1जून तक आवेदन

रायसेन। रायसेन जिले में संचालित जनजातीय एवं अनुसूचित जाति के छात्रावास, आश्रमों में शिक्षण सत्र 2024-25 में MPTAAS Portal मॉड्यूल के माध्यम से संचालन किया जाएगा। जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक ने बताया कि जो छात्र-छात्राएं छात्रावास में प्रवेश लेना चाहते हैं वे छात्रावास में प्रवेश के पूर्व अपना प्रोफाईल पंजीयन अवश्य कराएं। छात्रावास में प्रवेश के लिए प्रोफाईल पंजीयन कराना अनिवार्य है। इन संस्थाओं जूनियर/आश्रम, उत्कृष्ट/सीनियर एवं महाविद्यालय बालक/कन्या में बिना प्रोफाईल पंजीयन के छात्र-छात्राओं को छात्रावास में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रोफाईल पंजीयन कराने हेतु विभागीय वेबसाईट www.tribal.mp.gov.in MPTAAS Portal पर जाकर नया हितग्राही प्रोफाईल पंजीयन करा सकते हैं। छात्र-छात्राएं जिस छात्रावास में प्रवेश लेना चाहते हैं, उस छात्रावास में जाकर निःशुल्क प्रवेश आवेदन फार्म प्राप्त करें एवं पूर्ण भरा हुआ आवेदन फार्म आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रवेश की अंतिम तिथि 01 जून 2024 तक संबंधित छात्रावास में अधीक्षक/अधीक्षिका के पास जमा कराना होगा।

अवैध रूप से गिट्टी परिवहन करते चार डंफरों को खनिज इंस्पेक्टर ने किया जप्त

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

अवैध रूप से भूमपियों के द्वारा कोपरा-मुरम रेत आदि का कारोबार तो पहले से ही किया जा रहा है। दूसरी ओर कई क्रेशर मालिकों के द्वारा शासन को क्षति पहुंचाने के लिए नया तरीका निकलते हुए अवैध रूप से गिट्टी की सप्लाई भी की जा रही है । जिसकी पोल शनिवार को खुल गई खनिज इंस्पेक्टर राजीव कमद ने इमलानी रोड से चार डंपरों को बगैर रायल्टी के अवैध रूप से गिट्टी का परिवहन करते हुए जप्त तक किया है। जैसे ही खनिज इंस्पेक्टर और उनकी टीम ने गिट्टी से भरे डंफरों को रोक कर इनकी जांच पड़ताल की तो किसी भी वाहन चालक के पास रॉयल्टी नहीं थी ना ही परिवहन करने के दस्तावेज भी इनके पास नहीं मिले मिले इसके बाद कार्रवाई के लिए पंचनामा बनाकर खनिज इंस्पेक्टर ने चारों डंफरों की जप्ती बनवाई फिर इनको तहसील कार्यालय में ले जाकर तहसीलदार की सुपरूदगी में खड़ा कर दिया जांच प्रतिवेदन बनाकर तहसीलदार को दिया जैसे ही अवैध रूप से परिवहन करते हुए वाहनों पर कार्रवाई की भनक लगी तो उत्खनन कर्ताओं में हड़काम पर मच गया।

क्रेशर की आड़ में चल रहा है खेल

नगर के आसपास संचालित होने वाली अधिकांश क्रेशर संचालकों के द्वारा उसकी आड़ में भी अवैध रूप उत्खनन के गौरव धंधे को भी अंजाम दिया जा रहा है ।इस वजह से शासन को भी हर महीने लाखों रुपए के राजस्व की क्षति पहुंचाने का काम की जा रहा है,अवैध रूप से इस काम को अंजान देने वालों के द्वारा पहुंचाई जा रही है। इसमें कहीं ना कहीं खनिज बिभाग की भी कहीं ना कहीं मिली भगत होती है। तभी तो वे रोक-टोक इस काम को अंजाम दिया जा रहा है। ज्यादा शिकायत होने पर जिम्मेदार टीम बनाकर कार्रवाई करने के लिए आ जाते है इस वजह से यह लोग इनके शिकंजे में फंस जाते हैं । सबसे बड़ी बात तो यह देखने को मिलती है अधिकांश क्रेशर संचालकों और लीज लेकर काम करने वालों के द्वारा रॉयल्टी से ज्यादा

बगैर रॉयल्टी के माल को बेचने का काम किया है। इससे इनको भी फायदा होता है पर शासन को जरूर नुकसान पहुंचाने का काम इन लोगों के द्वारा किया जाता है। इसकी जानकारी भी खनिज विभाग के अधिकारियों को होती है पर वह देखने के लिए नहीं आते हैं इसी का फायदा उठाकर अवैध रूप से भी इस काम को अंजाम दिया जा रहा है। 2 दिन पहले ही अवैध रूप से उत्खनन और परिवहन करते हुए दो डंफरो एक जेसीबी जाने पर कई तरह के बहाने बताकर कार्रवाई से बचने का प्रयास किया जाता है और पुरानी लालटेन बाद तत्काल रॉयल्टी काटने का काम भी किया जाता है पर प्रशासन के द्वारा इनकी बात पर ध्यान नहीं दिया था इस वजह से कभी कबार क्रेशर की आड़ में इस खेल को अंजाम देने वाले भी प्रशासन की पकड़ में आ जाते हैं। को एसडीएम हर्षल चौधरी ने आरोन रोड से पकड़ा था।

सड़क ठेकेदार के लिए गिट्टी लेकर जा रहे थे डंफर

अवैध रूप से परिवहन करते हुए जिन डंपरों को खनिज विभाग की टीम ने पकड़ा है उनमें गिट्टी थी जो इमलानी रोड को बनाने वाले सड़क ठेकेदार के द्वारा मंगवाई गई थी लेकिन खाली होने से पहले खनिज विभाग ने इनको पकड़ लिया इस वजह से खाली नहीं हो पाए सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रोड का काम करने वाले ठेकेदार के द्वारा स्थानीय क्रेशर संचालक से गिट्टी मंगवाई थी उसके द्वारा बगैर रॉयल्टी डालने का काम किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार ठेकेदार को भी इसकी जानकारी थी पर उसके द्वारा भी शासन को नुकसान पहुंचाने के लिए अवैध रूप से गिट्टी मंगवाई जा रही थी इसकी भी जांच करके संबंधित ठेकेदार पर भी कार्रवाई होनी चाहिए पर ऐसा संभव नहीं लग रहा है। वहीं खनिज विभाग को अभी तक किस व्यक्ति के द्वारा गिट्टी की सप्लाई डंफरों के माध्यम से की जाती उसकी जानकारी नहीं मिली है।

इनका कहना है

इमलानी रोड से अवैध रूप से बगैर रॉयल्टी के परिवहन करते हुए गिट्टी से भरे हुए 4 डंफरों को जप्त किया है।इनको तहसील कार्यालय में को खड़ा कर दिया है ।वाहन मालिक की जानकारी ऑफिस में आकर पता चल जाएगी हम जांच कर रहे हैं।

-राजीव कमद, खनिज जिसपेक्टर

फेसबुक पोस्ट मामले में आरोपी अजहर दोषमुक्त

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

मोबाइल से भगवान शिव एवं कामाख्या देवी के विषय में एवं हिंदू धर्म पर टिप्पणी कर फेसबुक पर डालने वाले अजहर खान निवासी अयोध्या बस्ती सिरोंज को न्यायालय सुश्री अंकिता जैन जेएमएफसी सिरोंज द्वारा उक्त आरोप से दोष मुक्त कर दिया गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार सिरोंज अयोध्या बस्ती निवासी अजहर खान ने 29 जून 2019 को अपने मोबाइल से एक पोस्ट सोशल मीडिया पर अपने फेसबुक से शेयर की थी इस पोस्ट को बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के सक्रिय कार्यकर्ता रिंकू सुमन ने आपत्ति प्रकट करते हुए थाना सिरोंज में अजहर खान के विरुद्ध अपराध पंजीयन कराया था रिंकू सुमन ने थाना सिरोंज में आवेदन में दिए गए शिकायती आवेदन में कहा था कि अजहर खान द्वारा मोबाइल पर से अपनी फेसबुक पर एक अश्लील पोस्ट शेर की है जो हिंदू धर्म की भावनाओं को आहत कर ठेस कर प हुंचने वाली है रिंकू सुमन ने अपनी शिकायती आवेदन के साथ भगवान शंकर एवं अन्य देवी देवताओं के विरुद्ध की गई अश्लील टिप्पणी की पोस्ट का अपने मोबाइल से स्क्रीनशॉट लिया था प्रिंसिपल थाना सिरोंज में आरोपी के खिलाफ अपराध किया गया था फरियादी एवं सिरोंज पुलिस उक्त अपराध की पुष्टि करने में असफल रहे इस वजह से आरोपी को न्यायालय द्वारा दोष मुक्त करार दिया गया।

वार्ड 3 के रहवासी गंदगी से हो रहे परेशान, मच्छरों के प्रकोप ने बढ़ाई मुश्किलें

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका परिषद के जिम्मेदारी अधिकारियों तथा नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के कारण शहर में जगह-जगह कचरा के ढेर लगे हुए हैं गंदगी के कारण मच्छरों की भरमार होने से कई तरह की बीमारी में फैल रही है। नगर के ऐसे मोहल्ले भी है जिनमें कई दिनों तक साफ सफाई नहीं होती है इस वजह से रहवासियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड नंबर 3 में तो सड़कों पर ही गंदगी पड़ी रहती है नालियों की साफ सफाई नहीं होने से बदबू आ रही है मोहल्ले के लोग कई बार नगर पालिका में सफाई करवाने की मांग कर चुके हैं । उनकी मांग पर भी नगर पालिका के जिम्मेदारी ध्यान नहीं दे रहे हैं । इस वजह से यहां के रहवासियों को कठिनाइयों के बीच रहना पड़ रहा है दूसरी तरफ सफाई अभियान चलाने के लिए विधायक उमाकांत शर्मा ने भी मुख्य नगर उपाधिकारी को निर्देश दिए हैं। इसके बाद भी युद्ध स्तर पर इस काम को अभी भी नहीं किया जा रहा है। मोहल्ले में अधिक गंदगी होने के कारण मच्छरों की भरमार होने से लोग बीमारियों से भी ग्रसित हो रहे हैं।

पीएम जनमन अभियान (पीव्हीटीजी) के कार्यों की गहन समीक्षा

शत-प्रतिशत सैचुरेशन लाने की दिशा में कार्य करें : कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर ने आज पीएम जनमन अभियान (पीव्हीटीजी) के कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने पीएम जनमन अभियान तहत जिले में क्रियान्वित कार्यों की बिंदुवार समीक्षात्मक बैठक में निर्देश दिए हैं कि अभियान तहत क्रियान्वित कार्यों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करते हुए शत-प्रतिशत सैचुरेशन लाए जाने की दिशा में कार्य करें और प्रगति परिलक्षित करें। कलेक्ट ने विशेष कर आयुष्मान कार्ड बनाए जाने हेतु क्रियान्वित कार्यों की गहन समीक्षा की है। उन्होंने आयुष्मान कार्ड बनाए जाने हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों से संवाद कर वस्तु स्थिति से अवगत ही नहीं हुई बल्कि अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के संबंध में उनके द्वारा क्रॉस मॉनिटरिंग कर संतोषप्रद जवाब प्राप्त कर इस दिशा में उत्कृष्ट कार्य कर जिले में आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के कार्यों में उपलब्धि कैसे हासिल करें के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया है।

कलेक्टर ने पीएम जनमन अभियान तहत बनाए जा रहे आयुष्मान कार्ड की साप्ताहिक जानकारी की प्रगति की समीक्षा की है। उन्होंने खंड स्तरीय अधिकारियों से भी संवाद कर लक्ष्य पूर्ति हेतु किये जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त करते हुए अधिकारियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के कार्यों में प्रतिदिन की रिपोर्ट गूगल शीट में दर्ज करें इसके अलावा उन्होंने आधार कार्ड बनाए जाने के कार्यों की भी गहन समीक्षा की है। जिले में पीव्हीटीजी तहत 45 हजार से अधिक आधार कार्ड बनाए गए हैं के अलावा शेष रह गए आधार कार्ड बनाने हेतु उन्होंने ग्राम स्तर व ग्रामों के हाट बाजारों में आधार कार्ड बनाए जाने के लिए विशेष कैंप लगवाएं जाएं के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सभी जनपदों के सीईओ द्वारा पीपीटी में जो जानकारी दर्ज की जा रही है वही जानकारी गूगल शीट में भी दर्ज कराएं साथ ही ई-केवाईसी के कार्यों में तेजी से कार्य करें ताकि आयुष्मान कार्ड बनाए जाने में किसी भी प्रकार की दिक्कतें ना आने पाएं। उन्होंने उक्त कार्य पांच दिवस अवधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैऔ।

अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने पीएम जनमन अभियान तहत विभाग पर बिंदुओं से अवगत कराते हुए जिन विभागों द्वारा पीव्हीटीजी के कार्यों में प्रगति परिलक्षित नहीं हो रही है उन विभागों के अधिकारियों से वन-टू-वन चर्चा कर शीघ्र-अति-शीघ्र इन कार्यों में प्रगति परिलक्षित करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर योगेश भरसट ने आयुष्मान कार्ड एवं आधार कार्ड बनाए जाने के संबंध में ग्राम स्तरीय अमले को शत-प्रतिशत सैचुरेशन लाए जाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में आयोजित उक्त बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती निकिता तिवारी, जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ श्री पंकज जैन समेत अन्य विभागों को जिलाधिकारी मौजूद रहे, जबकि खंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

बी, सी और डी ग्रेडिंग सूची में शामिल विभागों की लंबित शिकायतों की समीक्षा

विदिशा। कलेक्टर सांयकाल कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में आयोजित सीएम हेल्पलाइन की विशेष समीक्षा बैठक में जिले के ऐसे विभाग जो बी, सी एवं डी ग्रेडिंग सूची में शामिल हैं उन विभागों की लंबित शिकायतों की गहन समीक्षा की है। सीएम हेल्पलाइन में बी, सी एवं डी ग्रेडिंग सूची में शामिल विभागों के अधिकारियों को शीघ्र अति शीघ्र लंबित शिकायतों का निराकरण कराए जाने के निर्देश दिए हैं ताकि वेटेज के प्रतिशत में सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि विभागों के जिलाधिकारी तथा खंड स्तरीय अधिकारी भी ध्यान रखें और सीएम हेल्पलाइन तहत लंबित शिकायतों की सूची बनाकर शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण करने की पहल करें, ताकि राज्य स्तरीय जारी ग्रेडिंग सूची में जिला अच्छे स्थान पर पहुंच सके।

राजस्व अधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं कि वह अपने विभाग की शिकायतों का निराकरण संतुष्टि पूर्वक कराएं। उन्होंने कहा कि संतुष्टि पूर्वक शिकायतों का निराकरण और वेटेज के प्रतिशत में सुधार हो एवं 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों के निराकरण कार्यों में तेजी लाएं तब जाकर विदिशा जिला राज्य स्तरीय जारी ग्रेडिंग सूची में द्वितीय स्थान पर पहुंच सकेगा। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राजस्व से संबंधित खसरा, खतौनी, सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, भू-अभिलेख सहित अन्य सभी कार्यों को गंभीरता से पूरा करें और इनसे संबंधित लंबित शिकायतों का निराकरण करें। अपर कलेक्टर डामोर ने सीएम हेल्पलाइन की विशेष समीक्षात्मक बैठक में बी, सी एवं डी ग्रेडिंग सूची में शामिल विभागों के अधिकारियों से संवाद कर निर्देश दिए हैं कि शिकायतों लंबित शिकायतों का शीघ्र अति शीघ्र निराकरण करें और ए ग्रेड में शामिल हों। जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर योगेश भरसट ने सीएम हेल्पलाइन तहत दर्ज शिकायतों की बिंदुवार समीक्षा के दौरान विभागों के अधिकारियों से कहा कि लंबित शिकायतों का संतुष्टि से निराकरण करें। साथ ही उन्होंने शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों के निराकरण के संबंध में भी संबंधित अधिकारियों को प्रगति परिलक्षित करने के निर्देश दिए हैं।

सीएम हेल्पलाइन की विशेष समीक्षा बैठक में वन विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक निर्माण विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, श्रम विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग, पशुपालन विभाग, सहकारिता विभाग, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अलावा अन्य विभागों की लंबित शिकायतों की भी बिंदुवार समीक्षा की गई है। बैठक कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में आयोजित की गई।

मेट्रो एंकर नगर पालिका के तमाम विभागों में है भ्रष्टाचार का बोलबाला

नगर पालिका में वर्षो से जमे बैठे कर्मचारियों की मनमानी से परेशान है शहरवासी

सिरोंज, सईद खान।

नगरपालिका का दायित्व होता है कि वह अपने अधीनस्त शहर को स्वच्छ ,साफ सुथरा रखे, शहरवासियों को समय पर जल प्रदाय के साथ साथ शहर के विकास में आवश्यक निर्माण कर लोगों की सुख सुबिधा के लिए हर संभव प्रयास कर जो नपा के अधिकार क्षेत्र में हो , वह मुहैया कराये। पर नगरपालिका अपनी जिम्मेदारी निभाने में असहाय साबित हो रही है। क्योंकि नगरपालिका में वर्षो से जमे बैठे कर्मचारियों के हौंसले इतने बुलंद हो गए है कि वह केवल अपनी सुख सुविधा के लिए और अपनी सुविधानुसार कार्य करते है।

यहीं वजह है कि नपा के तमाम विभागों में भ्रष्टाचार को बोलबाला है। वगैर लिए दिए कोई कार्य का न होना इस बात का सबूत है कि कई नामान्तर पेंडिंग पड़े है। कई निर्माण कार्य अधर में पड़े रहकर उनकी फाइलें बस्ते में बंद हो गई है। मस्टर पर पदस्थ कई कर्मचारी केबल हाजिरी भरने जाते है। पिछले कई सालों से बिना कार्य किए मुफ्त का वेतन लेते चले आ रहे है और यह सब समय समय पर कर्मचारियों का स्थानांन्तर न होने से हो रहा है। वहीं संबधित अधिकारियों द्वारा भी नगरपालिका की जांच पड़ताल नहीं की जाती है। कर्मचारियों की शिकायत करने के बाद भी , कर्मचारियों पर नकेल नहीं डाली जाती है। रहा साफ सफाई

का तो जगह जगह पर कचरा के ढैर लगे रहते है, नालियों में सड़ा गला पानी भरा होने से बदबू के कारण कई लोग आंखों में,सिर दर्द के मरीज हो गए है और कई मरीज होने की कगार पर है।

नगर पालिका अपने दायत्व का निर्वाह करने में है लापरवाह

सड़कों पर जहां अतिक्रमण है,वहीं शहर की सड़कों व चौक चौराहों पर आवारा मवेशियों का जमघट लगा रहता है, आवारा मवेशियों के विचरण दौरान कई अनहोनी घटनाए घटित हो चुकी है। आवागमन भी बाधा जनक के साथ साथ जान जोखम भरा ? जोखम भरा हो गया है।

वर्षो से जमे बैठे कर्मचारी अब शहर और शहरवासियों के लिए है दुखदायी

नगरपालिका में वर्षो से जमे बैठे कर्मचारी अधिकारी अब शहर और शहरवासियों के लिए दुखदायी साबित हो रहे है, इन्हें न नगर विकास की चिन्ता है और न जनहित कार्यों से इन्हें कुछ लेना देना है, इन्हें मात्र चिन्ता है तो अपने स्वार्थो की पूर्ति करने की।

स्थानान्तर किया जाना शहर व जनहित में आवश्यक है

नपा में वर्षो से जमें बैठे कर्मचारियों का ट्रांसफर दीयर जगह किया जाना जनहित व शहर हित में होगा। शहर के तमाम नागरिकों ने वर्षो से जमें बैठे कर्मचारियों का स्थानान्तर किये जाने की सीधे तौर पर मुख्यमंत्री से मांग की है।

Life&Style

गर्मियों में खाएं फल, पेट व दिमाग दोनों रहेगा ठंडा

गर्मियों के मौसम में पानी से भरपूर फलों का खास महत्व होता है. आज हम आपको कुछ ऐसे फलों के बारे में बताएंगे जो आपको गर्मियों के मौसम में रखेंगे हाइड्रेटेड. इस साल की शुरुआत से ही गर्मी का पारा चढ़ गया था. दोपहर के धूप ने इस महीने से ही लोगों को घर में रहने के लिए मजबूर कर दिया है. लेकिन कुछ लोगों को गर्मियों में काम के लिए बाहर निकलना पड़ता है. ऐसे में अपना खास ख्याल रखना काफी जरूरी है जिसके लिए अपने खानपान को बेहतर रखना. गर्मी के समय में कई मौसमी फल आते हैं...

खीरा– खीरा में गर्मियों के मौसम के लिए हीरा माना जाता है क्योंकि इसमें पानी की मात्रा अधिक होता है. पानी अधिक होने के साथ-साथ इसमें कैलोरी की मात्रा भी बहुत कम होता है.जो शरीर के तापमान को संतुलित रखने में काफी मदद करता है.

पुदीना– पुदीना गर्मियों के मौसम में आपको तरोताजा महसूस करने में काफी मददगार होता है.इस मौसम में पाचन के लिए पुदीना का कोई तोड़ नहीं हैं. हालांकि पुदीना गर्मी के मौसम में आपके लिए वरदान साबित हो सकता है.

दही– दही एक ठंडा खाद्य पदार्थ है जो आपको गर्मी से बचने के लिए काफी अच्छा साबित हो सकता है.ये इम्यूनिटी,पाचन और हेल्थ के साथ कई अन्य फायदे के लिए जाना जाता है. इसके सेवन गर्मियों में सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है.

नारियल पानी– नारियल पानी में पोटेशियम,मैग्नीशियम और सोडियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट पाये जाते हैं. यह शरीर को हाइड्रेट रखने में काफी मदद करते है.इसलिए नारियल पानी को गर्मियों के मौसम में शरीर के लिए फायदेमंद माना जाता है.

संतरा– संतरा एक और सुपर फूड है जो गर्मियों के मौसम में आपको लाभ पहुंचाता है.संतरा विटामिन सी का अच्छा स्रोत होता है और गर्मियों में आपको सुगंधित और ठंडा महसूस कराता है.

भरपूर होता है पानी

गर्मियों में ताजे फलों का सेवन करना शानदार रहता है. ये फल आपको ठंडक प्रदान करते हैं और आपको गर्मियों के दौरान ठंडा और ताजगी देते हैं और स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होते हैं. गर्मियों में तरबूज, आम,और लीची ये फल गर्मियों के मौसम में बाजार में बिकने लगते हैं और इन फलों में पानी की भरपूर मात्रा में पाया जाता है. इसलिए गर्मी में तरबूज का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है. इन फलों में पोटेशियम भी पाया जाता है जो शरीर के लिए लाभदायक है.

आईपीएल में आज डबल हेडर मैच : आरआर और केकेआर के बीच होगा मुकाबला

राजस्थान के पास दूसरे नंबर पर फिनिश करने का मौका

नईदिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2024 में आज डबल हेडर (एक दिन में 2 मैच) खेला जाएगा। दिन का दूसरा मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच होगा। मुकाबला गुवाहटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। आज राजस्थान के पास दूसरे नंबर पर फिनिश करने का मौका है। टीम के 16 पॉइंट्स के साथ पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर है। दूसरे स्थान वाली टीम को फाइनल में पहुंचने के दो मौके मिलते है। तीसरे स्थान पर फिनिश करने पर टीम को फाइनल में पहुंचने के लिए 2 मैच खेलने होंगे। कोलकाता और राजस्थान के बीच आईपीएल में अब तक कुल 29 मैच खेले गए है। इनमें से 14-14 दोनों टीमों ने जीते, जबकि एक मुकाबला नो रिजल्ट रहा। दोनों टीमों के बीच सीजन में दूसरी बार मुकाबला हो रहा है। पहले मैच में राजस्थान 2 विकेट से जीता था। गुवाहाटी में बारिश मुकाबले में खलल डाल सकती है। दिन में बारिश होने की 50 प्रतिशत संभावना है। बारसापारा स्टेडियम की बाउंड्री लगभग 68 से 70 मीटर की है,जिससे बाउंड्री लगाना आसान हो जाता है। पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल है और गेंदबाजों को कुछ ओवर बाद थोड़ी मदद मिलेगी।

केकेआर में गुरबाज की हो सकती है वापसी

केकेआर 19 पॉइंट्स के साथ टॉप पर है। टीम जीत का मोमेंटम जारी रखना चाहेगी। फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट मुकाबले में नहीं होंगे, क्योंकि वे वापस इंग्लैंड लौट गए हैं। केकेआर के लिए सुनील नरेन और सॉल्ट की जोड़ी ने साथ 182 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से सात अर्द्धशतक और एक शतक के साथ 897 रन बनाए हैं। सॉल्ट की जगह अफगान विकेटकीपर बल्लेबाज रहमनुल्लाह गुरबाज की वापसी हो सकती है। गुरबाज ने 2023 सीजन में 11 मैच खेले, हालांकि इस सीजन उन्होंने एक भी मुकाबला नहीं खेला। बल्लेबाजी की जिम्मेदारी कप्तान श्रेयस अय्यर, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल की फिनिशिंग जोड़ी पर होगी जो एकजुट होकर प्रदर्शन करेंगे। वहीं, बॉलिंग में वरुण चक्रवर्ती ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 मैचों में 18 विकेट लेकर बॉलिंग अटैक की जिम्मेदारी संभाली है।

राजस्थान के पास बटलर नहीं, दो मैचों में 150 का आकड़ा पार नहीं किया

पिछले 2 मैचों में राजस्थान की टीम 150 रन का आकड़ा पार नहीं कर सकी है। टीम के स्टार बल्लेबाज जोस बटलर नेशनल ड्यूटी के चलते वापस इंग्लैंड लौट गए हैं। वहीं, टीम के टॉप तीन बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल, संजू सैमसन और रियान पराग के ऊपर बैटिंग ऑर्डर की जिम्मेदारी होगी। बॉलर्स ने शानदार प्रदर्शन किया है। संदीप शर्मा, ट्रेंट बोल्ट और आवेश खान ने लगातार अच्छी बॉलिंग की है। वहीं, 13 मैचों में 17 विकेट के साथ युजवेंद्र चहल ने स्पिन डिपार्टमेंट संभाला है।

सीएसके बाहर, आरसीबी प्लेऑफ में पहुंची

आईपीएल में ग्रुप स्टेज के 68 मैच खत्म हो चुके हैं। शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने चेन्नई सुपर किंग्स को 27 रन से हराया। इस नतीजे से बेंगलुरु ने 14 पॉइंट्स के साथ ही बेहतर रनरेट के आधार पर प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया है। जबकि चेन्नई प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। प्लेऑफ की चारों टीम पक्की हो जाने के बावजूद लीग स्टेज मैचों का आखिरी दिन महत्वपूर्ण है, क्योंकि दूसरे स्थान पर फिनिश करने वाली टीम अभी भी पक्की नहीं हुई है। नंबर-2 के लिए आज राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद को संघर्ष करना होगा।

आईटीए ने टेस्ट नहीं देने पर परवीन को सस्पेंड किया

ओलिंपिक कोटा अमान्य, बीएफआई बोला- हमारे पास एक और मौका

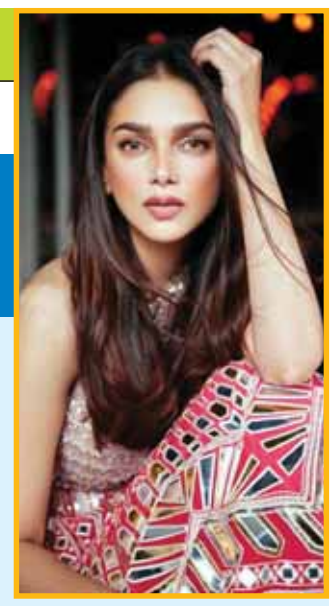

रोम, एजेंसी

इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने भारत के लिए बॉक्सिंग में 2024 ओलिंपिक का कोटा हासिल करने वाली मुक्केबाज परवीन हुड्डा पर 22 महीने का सस्पेंशन लगा दिया है। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने घोषणा की है कि उसने 57 केजी कैटेगरी में परवीन के जीते गए कोटा को अस्वीकार कर दिया है ताकि वह एक बार फिर दूसरे वर्ल्ड ओलंपिक क्वालिफायर में हिस्सा ले सके। अब भारत के पास विमेंस के 57 किग्रा कैटेगरी में ओलिंपिक क्वालिफिकेशन हासिल करने का एक और मौका होगा। परवीन ने 2022 एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के साथ 2024 ओलंपिक के लिए बॉक्सिंग में भारत को कोटा दिलाया था। आईटीए ने पिछले 12 महीने में तीन बार अपना ठिकाना नहीं बताने के कारण परवीन को 22 महीने के लिए निलंबित कर दिया है। हुड्डा की गेरमौजूदगी में भारत को केवल एक मुक्केबाज को मैदान में उतारने की अनुमति होगी, जिसने 11 अप्रैल से पहले ही क्वालिफायर के लिए रिजर्व के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया था। इसमें भारत के दो ही बॉक्सर है। जो कि 60 केजी और 66 केजी वर्ग में रिजर्व के रूप में नामित है। मुकाबले अगले सप्ताह बैंकॉक में होने हैं। परवीन के नाम एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप में 1-1 मेडल है। परवीन के नाम एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप में 1-1 मेडल है।

पेरिस ओलिंपिक के लिए टेबल टेनिस टीम का ऐलान

शरत और मनिका छह सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे, साथियान रिजर्व

नजरान, एजेंसी

कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन शरत कमल और मनिका बत्रा पेरिस ओलिंपिक के लिए छह सदस्यीय भारतीय टेबल टेनिस टीम का नेतृत्व करेंगे। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ ने टीम की घोषणा की। जी साथियान को छह सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली है। साथियान को मेंस टीम में रिजर्व खिलाड़ी के रूप में जगह मिली है। भारतीय खिलाड़ी पेरिस में सिंगल्स और टीम इवेंट में हिस्सा लेंगे। विमेंस टीम के लिए अयहिका मुखर्जी रिजर्व खिलाड़ी होंगी। पेरिस ओलिंपिक के लिए भारतीय टेबल टेनिस टीम मेंस टीम - शरथ कमल, हरमीत देसाई, मानव ठक्कर।

ओलिपिक में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल: पेरिस ओलिंपिक में केवल ढाई महीने का समय बचा है। इस बार इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी खेलों की सुरक्षा से लेकर मनोरंजन तक में एआई का इस्तेमाल करेगी। इसके तहत खिलाड़ियों के परिवार के भावों को मॉनिटर किया जाएगा। वहीं, रियल टाइम एनालिसिस से जज की मदद की जाएगी। 1924 में पेरिस में हुए ओलिंपिक की तस्वीरों को रंगीन करने की योजना भी है। पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच होना है।

मेट्रो एंकर

गंभीर बन सकते हैं भारतीय टीम के हेड कोच

बीसीसीआई ने इच्छा जानने के लिए संपर्क किया, 27 मई तक अप्लाई करना होगा

मुंबई. एजेंसी

बीसीसीआई ने भारतीय टीम का हेड कोच बनने के लिए भारत के पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर से संपर्क किया है। ईएसपीएन क्रिकइंफो के मुताबिक, बीसीसीआई ने गंभीर से यह पूछने के लिए कॉन्टैक्ट किया है कि वे टीम के हेड कोच बनना चाहते है या नहीं। आईपीएल 2024 पूरा होने के बाद आगे चर्चा होने की उम्मीद है। इस सीजन गंभीर केकेआर के मेंटर है। पॉइंट्स टेबल में उनकी टीम टॉप पर है और प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। राहुल द्रविड़ फिलहाल टीम इंडिया के हेड कोच हैं। उनका कार्यकाल अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम इंडिया के हेड कोच पद के लिए आवेदन मंगवाए हैं। बोर्ड ने उम्मीदवारों के लिए विज्ञापन जारी किया था। उम्मीदवार 27 मई की शाम 6 बजे तक अप्लाई कर सकते हैं। 42 साल के गंभीर को इंटरनेशनल या डोमेस्टिक लेवल पर कोचिंग का कोई अनुभव नहीं है, वह दो आईपीएल फ्रेंचाइजी में कोचिंग स्टाफ के इंचार्ज रहे हैं। आईपीएल 2022 और 2023 में वे लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटर थे। वहीं। 2024 सीजन में केकेआर के साथ जुड़े।

गंभीर ने एलएसजी में रहते पहले दोनों सीजन में टीम को प्लेऑफ तक पहुंचाया। वहीं, इस सीजन भी चयक्र क्वालिफाई कर चुका है। गंभीर बतौर खिलाड़ी 2007 में भारत की टी-20 वर्ल्ड कप जीत और 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीत का हिस्सा थे। उन्होंने 2011 से 2017 तक सात आईपीएल सीजन के लिए चयक्रकी कप्तानी की, और उन्होंने पांच बार प्लेऑफ के लिए भी क्वालिफाई किया। बतौर कप्तान उन्होंने साल 2012 और 2014 में दो खिताब जीते।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

भंसाली ने की अभिनेत्री के काम की प्रशंसा

'गजगामिनी वॉक' के लिए 'बिब्बो जान' ने बढ़ाया था वजन

संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुए दो हफ्ते हो चुके हैं। सीरीज और उसके किरदार लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर भी 'हीरामंडी' को लेकर काफी चर्चा हो रही है। सीरीज में चबिब्बो जानज बनीं अदिति राव हैदरी के गजगामिनी वॉक की भी खूब प्रशंसा हो रही है। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने फैंस की प्रशंसा पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया पर उस समय अदिति राव हैदरी की गजगामिनी वॉक फैंस के बीच खूब वायरल हो रही है। फैंस अभिनेत्री की इस वॉक की खूब प्रशंसा भी कर रहे हैं। एक साक्षात्कार में, अभिनेत्री ने कबूल किया कि वह ठीक से नहीं जानती कि वॉक को क्या कहा जाता है। हालांकि, इस वॉक को करने के लिए उन्होंने खूब मेहनत भी की थी। अदिति ने कहा, मैं किसी से पूछना चाहती थी, संजय सर से और मेरे डांस टीचर से कि यह क्या है? क्या यह गजगामिनी चाल है, हंस चाल है? वह कौन सी चाल है, जो मुझे नहीं मालूम! मैं कहूंगी कि यह वही था, जो संजय सर ने मुझसे करने को कहा था। मैंने संजय सर के आदेश का पालन किया और उन्होंने मुझे जो बताया मैंने वही किया। मुझे ,पता है कि कथक में मयूर चाल (मयूर चाल) है, फिर गजगामिनी (मोह की चाल) है , लेकिन मुझे नहीं पता था कि यह कौन सी चाल है और मुझे इसका पता लगाना था। अदिति ने यह भी साझा किया कि संजय इस बात को लेकर बहुत खास थे कि वह कैसी दिख रही हैं चाल, उनका दुपट्टा जिस तरह से गिरता है। उन्होंने कहा कि वह चाहते थे कि दुपट्टा एक विशेष बीट पर गिरे, सिर मुड़े और घुंघरू की आवाज बिल्कुल बीट पर आए। अदिति राव हैदरी ने हीरामंडी से अपने वायरल गजगामिनी वॉक पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि संजय लीला भंसाली ने उनकी सराहना की कि उनका वजन बढ़ गया है।

मां बनने से पहले बदला दीपिका पादुकोण का नाम!

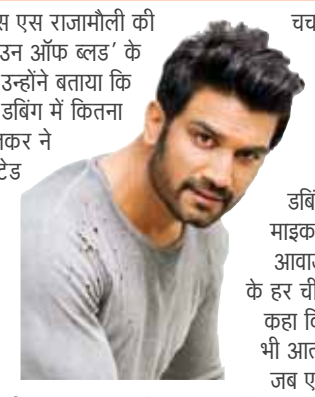

रणवीर सिंह ने दीपिका पादुकोण के मां बनने से पहले उनके निक नाम को रिवील किया है। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर कर दीपिका को डेडलाइन की ग्लोबल डिसरप्टर्स 2024 लिस्ट में शामिल होने की बधाई भी दी है। रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण बहुत ही जल्द मम्मी-पापा बनने वाले हैं। रणवीर सिंह ने दीपिका के मां बनने से पहले उनको नया निक नाम दिया है। एक्टर ने ऑफिसियल इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर किआ है। इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर करते हुए रणवीर ने दीपिका को डेडलाइन की ग्लोबल डिसरप्टर्स 2024 लिस्ट में शामिल होने की बधाई दी है। रणवीर ने अपनी वाईफ दीपिका के नए निक नाम को भी रिवील किया है। रणवीर सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए वाईफ दीपिका पादुकोण को बधाई दी है। रणवीर ने बधाई देते हुए

एक्टर ने अपनी वाईफ को नया निक नाम भी दिया है। एक्टर ने दीपिका को डेडलाइन की ग्लोबल डिसरप्टर्स 2024 लिस्ट में शामिल होने के लिए बधाई दी है। इसी पोस्ट के साथ रणवीर ने अपनी वाईफ को नया निक नाम भी दिया है। रणवीर ने अपने स्टोरी में दीपिका को नया निक नाम 'बेबी मम्मा' लिखा है। डेडलाइन आर्टिकल का एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए रणवीर ने लिखा, च्बेबी मम्मा ने मुझे हिलाकर रख दिया,हां।ज्ज उन्होंने अपनी स्टोरी में एक क्राउन इमोजी भी जोड़ा और दीपिका और डेडलाइन को टैग किया है। इस पोस्ट को रणवीर सिंह ने आज यानी 18 मार्च को शेयर किया है। दीपिका और रणवीर ने फरवरी में अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी। कपल के बच्चे का जन्म सितंबर में आने वाला है। रणवीर सिंह ने मार्च में राधिका और अनंत अम्बानी की शादी में पापा बनने की एक्साइटमेंट दिखाई थी।

बाहुबली- क्राउन ऑफ ब्लड' के बाहुबली हैं राजामौली के प्रशंसक, शरद ने डबिंग के अनुभवों को किया साझा

अभिनेता शरद केलकर ने एस एस राजामौली की एनिमेटेड सीरीज 'बाहुबली- क्राउन ऑफ ब्लड' के अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि फिल्म और एनिमेटेड फिल्म की डबिंग में कितना अंतर होता है। अभिनेता शरद केलकर ने एसएस राजामौली की एनिमेटेड सीरीज में डबिंग के दौरान आई चुनौतियों के बारे में अपने अनुभव साझा किए। शरद केलकर बॉलीवुड के शानदार अभिनेताओं में से एक माने जाते हैं। आलोचक और प्रशंसक दोनों ही उनके अभिनय की सराहना करते हैं। राजामौली की फिल्म 'बाहुबली' की भव्य सफलता ने तेलुगु सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। 'बाहुबली' फिल्म में अमरेंद्र बाहुबली और महेंद्र बाहुबली के किरदार को अभिनेता शरद केलकर ने अपनी आवाज दी है। फिल्म की शानदार सफलता के बाद इसके एनिमेटेड वर्जन पर काम किया गया, जिसमें शरद केलकर ने ही अमरेंद्र बाहुबली के किरदार की डबिंग की। अभिनेता ने एक साक्षात्कार में डबिंग के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि फिल्म और एनिमेटेड फिल्म की डबिंग में बहुत अंतर होता है। इस दौरान उन्होंने डबिंग के दौरान आई चुनौतियों पर भी चर्चा की। दोनों के बीच अंतर समझाते हुए अभिनेता ने कहा कि जब आप फिल्म की शूटिंग करते हैं तो आपके पास लोकेशन, सह-कलाकार, कैमरा, कॉस्टयूम और बहुत सारी चीजें होती हैं, लेकिन जब आप एनिमेशन के लिए डबिंग करते हैं तो आपके सामने सिर्फ एक माइक होता है। आपको माहौल, अभिनेता की आवाज, परिस्थिति और टोन बिना कॉस्टयूम के हर चीज की कल्पना करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि यह चुनौतीपूर्ण है, लेकिन इसमें मजा भी आता है। एसएस राजामौली ने अभिनेता से जब एनिमेटेड फिल्म के लिए संपर्क किया तो उस दौरान अपनी प्रतिक्रिया को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'मेरा पहला विचार यही था कि मैं फिल्मों का शौकीन हूं। मैंने बहुत सी फिल्में देखी हैं, खासकर दक्षिण भारतीय फिल्में और मैंने राजमौली जी की लगातार दो फिल्में देखी हैं, 'मगाधीरा', मक्खी' यह दोनों फिल्में बिल्कुल अलग है।' अभिनेता ने आगे कहा, 'जब मुझे इस सीरीज का ऑफर मिला तो मुझे नहीं पता था कि वो फिल्म में क्या करवाएंगे? मैं बस उनसे मिलना चाहता था और मिल गया।' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'बाहुबली- क्राउन ऑफ ब्लड' बाहुबली और भल्लालदेव के एक साथ लड़ने की कहानी है।

ओटीटी पर अब तक मचा रही है धमाल

बिना आवाज के सिनेमाघरों में छा गई थी 'बर्फी'

बॉलीवुड में आपने एक से बढ़कर एक्शन वाली फिल्में देखी होंगी। आज हम आपको ऐसी फिल्म के बारे में बताऐंगे जिसने बिना किसी आवाज और एक्शन के बड़े पर्दे पर तहलका मचाया था। बिना आवाज और एक्शन वाली फिल्मों की बात करें तो लोगों के दिमाग में पहला नाम 'आलमआरा' का आता है। आपको बता दें कि इसके अलावा भी बॉलीवुड में ऐसी फिल्म बनी थी जिसने खूब सुर्खियां बटोरी थी। 12 साल पहले बॉलीवुड में एक फिल्म रिलीज हुई थी जिसने बॉलीवुड में धूम मचा दिया था और इस फिल्म का नाम है 'बर्फी'। फिल्म में किसी आवाज और एक्शन के ना होने बावजूद भी लोगों ने इस फिल्म को खूब प्यार दिया था। बर्फी को न केवल दर्शकों का प्यार मिला था बल्कि यह 2013 में इंडिया की ओर से 85 वें ऑस्कर अकादमी अवॉर्ड्स की बेस्ट फॉरेन फिल्म केटेगरी के लिए भी भेजी गई थी। अगर आपने ये फिल्म सिनेमाघरों में नहीं देखी तो आप ये फिल्म इन ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर ने ऐसे लड़के का किरदार निभाया था जो बोल और सुन नहीं सकता था । प्रियंका चोपड़ा डिस्लेक्सिया से पीड़ित थी। फिल्म में दिखाया गया है कि 'बर्फी' को दार्जिलिंग में एक ड्राइवर का बेटा है जिसे अमीर घर की बेटी से प्यार हो जाता है पर उनका प्यार मुकम्मल नहीं हो पाता है। इसके बाद बर्फी के जीवन में 'झिलमिल' (प्रियंका चोपड़ा) की एंट्री होती है। इसके बाद कहानी में दिलचस्प मोड़ आता है। इस फिल्म को अनुराग बासु ने डायरेक्ट किया था।

अवधपुरी की बीडीए कॉलोनी में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

दंपती में हुई कहासुनी, पत्नी गई रिश्तेदारी में तो पति ने लगा ली फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित बीडीए कॉलोनी में शनिवार सुबह एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि शुक्रवार रात उसकी पत्नी से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। कहासुनी के बाद पत्नी पास ही रहने वाले रिश्तेदार के घर चली गई। वहां से शनिवार सुबह घर लौटी तो पति का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल का निरीक्षण करने पर सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार 25 साल की पूजा सरकार, मकान नंबर 4/156, बीडीए कॉलोनी अवधपुरी में रहती हैं और गृहणी हैं। उनके पति तारक सरकार पिता धीरेंद्र सरकार (35) फर्नीचर का काम करते हैं। पूजा ने बताया कि शुक्रवार को उनका देवर उत्तम घर आया हुआ था। रात में उनकी पति से मामूली बात को लेकर कहासुनी हो गई। कहासुनी बड़ने पर विवाद होने लगा और पूजा उत्तम को लेकर पास ही रहने वाले रिश्तेदार के घर चली गई। वहां से शनिवार सुबह करीब साड़े 9 बजे घर पहुंची मकान के दरवाजे अंदर से बंद थे। काफी आवाज देने के बाद भी तारक ने दरवाजा नहीं खोला तो पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह दरवाजा खुलवाया। इस दौरान ताकर की लाश कमरे में फांसी के फंदे पर लटकी मिली।

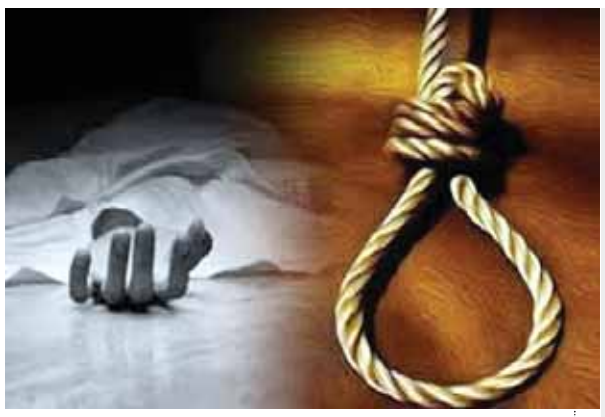

पान की गुमठी चलाने वाले स्नातक ने लगाई फांसी

कॉलेज की पड़ाई करने के बाद भी नौकरी नहीं मिलने से दुखी युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह अपनी मां के साथ यहां रहता था। मां किसी शादी में रायसेन गई हुई थीं। ऐशबाग पुलिस ने मर्ग कायम कर त तीश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक बीडीए कॉलोनी ऐशबाग निवासी विपिन साहू (23) पान की गुमठी चलाता था। स्नातक तक अपनी पड़ाई पूरी कर चुका था और नौकरी की तलाश कर रहा था। नौकरी नहीं मिलने पर उसने पानी की गुमठी खोल ली थी। वह अक्सर दुखी रहने लगा था। एसआई सतीश कुमार ने बताया कि उसकी मां किसी शादी में शामिल होने रायसेन गई थी। विपिन घर में अकेला था। शनिवार सुबह दरवाजा नहीं खुलने पर मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खोलकर देखा तो विपिन फंदे पर लटका नजर आया। उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

एमबीए स्टुडेंट ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

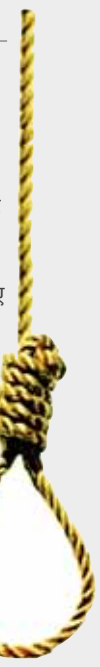

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित केपिटल पेट्रोल पंप के पास न्यू सुभाष नगर में एमबीए के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एएसआई योगेंद्र सिंह ने बताया कि कार्तिकेय सराठे पिता ओम प्रकाश सराठे (24) एलआईजी 105, केपिटल पेट्रोल पंप के सामने न्यू सुभाष नगर में रहता था और एमबीए की पढ़ाई कर रहा था। पढ़ाई के साथ वह प्राइवेट काम भी करता था। परिजन ने बताया कि शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब एक बजे उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उसे फंदे से उतारकर निजी अस्पताल ले गए थे। वहां से हमीदिया अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई। हमीदिया अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है। सूत्रों की माने तो उसने प्रेम प्रसंग में असफल होने पर यह कदम उठाया है। हालांकि पुलिस ने जांच का हवाला देते हुए अभी आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं किए है।

उधारी में सिगरेट नहीं देने पर दुकानदार पर छुरी से हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीला जमालपुरा इलाके में उधारी में सिगरेटे नहीं देने पर एक युवक ने दुकानदार के साथ मारपीट कर छुरी से हमला कर दिया, जिससे दुकानदार की उंगलियों में गंभीर चोट आई है। पुलिस के मुताबिक अजहर (24) बैरसिया रोड स्थित विशाल मेगा मार्ट के सामने काजीकैंप में रहता है और पान की दुकान चलाता है। शुक्रवार दे रात वह अपनी दुकान पर बैठा हुआ था। इसी बीच शाहजेब नामक युवक पहुंचा और उधारी में सिगरेट मांगने लगा। अजहर ने उधारी देने से मना किया तो उसने मारपीट करते हुए अजहर को छुरी मार दी, जो उसके दाहिने हाथ की उंगलियों में लगी। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया तो आरोपी धमकी देते हुए भाग निकला। बाद में अजहर ने थाने जाकर उसके खिलाफ केस दर्ज करवाया। इसी थानांतर्गत कबीटपुरा टीला जमालपुरा में आमने-सामने रहने वाले दो परिवारों को बीच मामूली बात को लेकर विवाद हो गया। इस पर एक-दूसरे पक्ष ने दोनों के साथ जमकर मारपीट कर दी। पुलिस ने आसिफ की रिपोर्ट पर ताहिर, जाकिर और अजीम के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया है, वहीं अजीम की रिपोर्ट पर आसिफ और जमीला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिलाबदर बदमाश को किया गिरफ्तार

भोपाल। मंगलवारा पुलिस ने जिलाबदर बदमाश को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक आकाश उर्फ जग्गू वर्मा सिलावटपुरा मंगलवारा का रहने वाला है। आपराधिक गतिविधियों के कारण उसके खिलाफ जिलाबदर की कार्रवाई की गई थी। देर रात को सूचना मिली कि बदमाश इलाके में ही घूम रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने बदमाश को दबोच लिया।

चोरी की चार वारदातों का खुलासा

नाबालिग समेत तीन बदमाश गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोहेफिजा पुलिस ने एक नाबालिग समेत तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से चोरी का करीब ढाई लाख रुपये का माल बरामद हुआ है। प्रारंभिक पूछताछ में इलाके में हुई चोरी और नकबजनी की चार वारदातों का खुलासा हुआ है।

पुलिस के मुताबिक विजय नगर लालघाटी में रहने वाले सुमित लच्छवानी बीती 10 मई की रात घर पर ताला लगाकर ईदगाह हिल्स अपनी ससुराल चले गए थे। ग्यारह मई को तड़के पड़ोसी ने फोन करके घर का ताला टूटा होने की जानकारी

दी। वह मौके पर पहुंचे घर का सामान बिखरा पड़ा था और एलईडी टीवी, तीन मोबाइल फोन, हाथ घड़ियां और नकदी 15 हजार रुपये समेत अन्य सामान गायब था। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया था। जांच के दौरान इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने और मुखबिरों से मिली सूचना के बाद पुलिस ने रोहित रावल उर्फ चीकू (20), शाहरुख अली (20) दोनों निवासी मदर इंडिया कालोनी शाहजहांनाबाद और एक नाबालिग को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने उक्त वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से सुमित के अलावा तीन अन्य स्थानों पर की गई वारदातों का सामान और मोटर सायकिल समेत करीब ढाई लाख रुपये का माल बरामद हुआ।

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी के बैरागढ़ रोड पर देर रात लगी आग के कारण सड़कों पर काफी समय अफरातफरी रही।

खिड़की से हाथ डालकर खोला दरवाजा

2 मोबाइल और नकदी चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहजहांनाबाद स्थित ईदगाह मल्टी में रहने वाले एक युवक के घर खिड़की से हाथ डालकर बदमाशों ने चटकनी खोली और भीतर घुसकर 2 मोबाइल फोन और पांच हजार रुपये चोरी कर भाग निकले। जाते समय बाद दरवाजे की कुंदी बाहर से बंद कर गए थे। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक जितेंद्र मानिक (29) मल्टी बाजपेयी नगर, ईदगाह हिल्स में पत्नी के साथ रहते हैं और मजदूरी करते हैं। बीती 16 मई की रात करीब साड़े ग्यारह बजे वह दरवाजा भीतर से बंद कर सो गए थे। अगले दिन सुबह करीब सात बजे नींद खुली तो पता चला कि दरवाजे की कुंदी बाहर से बंद है। उन्होंने कमरे को चैक किया तो एक सैमसंग कंपनी और दूसरा वन प्लस कंपनी का मोबाइल फोन गायब

था। इसके साथ ही अलमारी में रखे पांच हजार रुपए नकदी भी चोरी हो चुके थे। जितेंद्र ने पुलिस को बताया कि बदमाशों ने खिड़की से हाथ डालकर दरवाजे की चटकनी खोली और सामान चोरी करने के बाद बाहर से कुंडी लगाकर चले गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत 25 हजार रुपए बताई गई है। इधर मिसरोद स्थित वृंदावन गार्डन के पास से 80 हजार रुपये कीमत का वायर चोरी चला गया। पुलिस ने सुनील कुमार की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। घटना शुक्रवार को दिनदहाड़े होना बताई गई है।

पूजा करते समय झुलसे गए पत्रकार की दो महीने बाद मृत्यु

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

परवलिया सड़क थाना क्षेत्र में रहने वाले वरिष्ठ पत्रकार कैलाश पाटीदार की करीब दो महीने बाद इलाज के दौरान एम्स में मृत्यु हो गई। 23 मार्च को वे घर में हवन करते समय झुलस गए थे। उनका इलाज चूनाभट्टी स्थित निजी अस्पताल में चलता रहा और फिर परिजन ने उन्हें एम्स में भर्ती करा दिया था। उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा था, लेकिन शनिवार को तबीयत बिगड़ी और उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया था। परिजन ने उनका अंतिम संस्कार परवलिया स्थित विश्राम घाट में कर दिया। जानकारी के अनुसार 66 साल के परवलिया सड़क इलाके में रहते थे। उनकी खेती किसानी थी। साथ ही वे पत्रकारिता से जुड़ें थे। गत 23 मार्च को उनके घर पूजन था और वह हवन में बैठकर पूजा कर रहे थे। इसी दौरान हवन में आहूती डालते समय आग भभकी और वे आग से झुलस गए। परिजन उन्हें चूनाभट्टी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां उनका एक महीने इलाज चला और उनके स्वास्थ्य में थोड़ा सुधार हो गया था। बाद में परिजन एम्स में उनका इलाज करा रहे थे। वहां इलाज के दौरान शनिवार को उनकी मृत्यु हो गई।

ईंटखेड़ी में डंपर से कुचलकर महिला की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ईंटखेड़ी इलाके में डंपर से कुचलकर एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद चालक डंपर छोड़कर मौके से भाग निकला, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मुन्नीबाई कुशवाहा (38) ग्राम राताताल ईंटखेड़ी में रहती थी और गृहणी थी। शनिवार की शाम करीब चार बजे वह मंदिर जाने के लिए घर से निकली थी। सड़क क्रास करते समय एक तेज रफ्तार डंपर ने महिला को टक्कर मार दी। आसपास के लोगों ने मुन्नीबाई को इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। डंपर जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

तालाब से बरामद हुआ युवक का शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तलैया पुलिस ने गिन्नौरी मंदिर के पास तालाब से एक युवक की लाश बरामद की। मृतक के पास ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके। लाश मिलने की सूचना और हुलिए की जानकारी सभी थानों को भेज दी गई है। पुलिस के मुताबिक शनिवार सुबह नगर निगम की टीम गिन्नौरी मंदिर के पास तालाब की सफाई कर रही थी, तभी एक युवक का शव पानी में दिखाई दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से लाश को बाहर निकलवाया और पीएम के लिए भेज दिया।

मेट्रो एंकर जान बचाकर भागे तो रास्ता रोककर आई-20 कार के कांच फोड़े

रास्ते में खड़ी फॉर्च्यूनर कार हटाने का बोला तो चाकू और रॉड मारकर मारकर लूटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार रोड स्थित ग्राम बैरागड़ चीचली के पास सड़क पर खड़ी फार्च्यूनर कार हटाने का बोला तो कार सवार तीन लोगों ने आई-20 कार में बैठे दो युवकों को चाकू अड़ाकर लूट लिया और रॉड मारकर घायल कर दिया। बचने के लिए दोनों ने कार लेकर भागे तो पीछा कर रोका और कार में तोड़फोड़ कर दी। यह घटना गुरुवार शाम करीब पांच बजे की है, जिसकी रिपोर्ट शुक्रवार दोपहर को दर्ज कराई गई। हमले में घायल हुए दोनों युवकों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस के मुताबिक रूपेश मारन (24) रातीबड़ का रहने वाला है। रूपेश ने पुलिस को बताया कि उसका भाई नरेंद्र मारन गुरुवार को अपनी आई-20 कार से रिश्तेदार सुमित मारन के साथ सुहागपुर से अपने गांव बरखेड़ी कला लौट रहे था। शाम करीब पांच बजे ग्राम बैरागड़ चीचली कोलार रोड स्थित नारायण की डेयरी के पास पहुंचे तो रास्ते में एक फार्च्यूनर कार खड़ी थी। नरेंद्र ने रास्ते से कार हटाने का बोला तो उसमें सवार तीन लोग नीचे उतरे और नरेंद्र के गले पर चाकू अड़ाकर सोने की चैन छीन ली। उसके बाद नरेंद्र को कार से नीचे उतारकर पैसे निकालने का बोला तो उसने बताया कि पैसे नहीं हैं। इस पर एक युवक ने नरेंद्र के पेट में चाकू मार दिया, जबकि उसके साथी ने सुमित को रॉड मारकर घायल कर दिया। नरेंद्र और सुमित जान बचाकर भागे तो फार्च्यूनर वालों ने पीछा कर केरवा चौकी के पास उन्हें रोक लिया। उन्होंने पत्थर मारकर नरेंद्र की कार के कांच फोड़ दिए और सुमित के पास रखे 10 हजार रुपए छीन लिए। राहगीरों की भीड़ लगने लगी तो सभी लोग मौके से भाग निकले। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने दोनों घायलों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। नरेंद्र ने घटना की जानकारी अपने भाई रूपेश को दी, जिसके बाद शुक्रवार दोपहर रूपेश ने कोलार थाने पहुंचकर केस दर्ज करवाया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रास्ता रोककर मारपीट, लूटपाट और तोड़फोड़ करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेडी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022